जीवन दर्शन

बाधाए वो डरावनी चीजे है, जो आप तब देखते है जब आप लक्ष्य से अपनी आँखे हटा लेते है।
- हेनरी फोर्ड

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

सारा ने आलोचनाओं पर ट्रोलर्स को खुलकर दिया जवाब

पेज -8 पर

www.globalherald.news

बुधवार 02 अप्रैल, 2025 | वर्ष - 14, अंक 50 | » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 8 » मूल्य ₹ 2.00

न्यूज ब्रीफ

राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, कहा- आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में फेल है मोदी सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वन अधिकार अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में फेल है। कांग्रेस नेता ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट में वन अधिकार अधिनियम का बचाव करने के लिए तेजी से कार्रवाई करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार वन अधिकार अधिनियम की अवहेलना करती है। इससे लाखों आदिवासी परिवार अपनी पारंपरिक भूमि से बेदखल हो रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने अन्याय को खत्म करने और आदिवासियों का जल, जंगल और जमीन पर अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 2006 में कानून पेश किया था। अब केंद्र सरकार की निष्क्रियता के कारण एफआरए के तहत अनगिनत वास्तविक दावों को बिना किसी समीक्षा के मनमाने ढंग से खारिज कर दिया गया है।

LSG को लखनऊ में आकर पंजाब किंग्स ने हराया

लखनऊ। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी और उसका दांव बिल्कुल सटीक बैठ गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने लखनऊ सुपर जायंट्स 20 ओवरों में मात्र 7 विकेट पर 171 रन ही बना सकी। जिसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतर पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह, श्रेयस अय्यर और निहाल वधेरा की पारियों की मदद से यह मैच 17वें ओवर में ही जीत लिया है। पंजाब किंग्स के 8 विकेटों की इस जीत के बाद अब LSG के दिग्वेश सिंह राठी और ऋषभ पंत पर जमकर मीम्स वायरल हो रहे हैं। जहां एक तरफ लोग दिग्वेश सिंह राठी को विकेट लेने के बाद उनके एक्शन के लिए ट्रोल कर रहे हैं। वहीं पंत को रन न बनाने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। जबकि श्रेयस अय्यर को पैसा वसूल परफॉर्मेंस देने के लिए तारीफें मिल रही हैं।

पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी पन्नू का झूठ, एक चिट्ठी से सच हुई भारत की बात

नई दिल्ली। अमेरिका में बैठकर भारत के खिलाफ आग उगलने वाला खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का झूठ पकड़ा गया। उसने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की। उसने अजीत डोभाल के समन को लेकर झूठ बोला। मगर उसकी दाल नहीं गल पाई और झूठ पकड़ी गई। खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकील ने कोर्ट को एक चिट्ठी लिखी थी जिसके बाद अदालत ने ये प्रतिक्रिया दी है। इस चिट्ठी में खुलासा हुआ है कि जब आतंकी पन्नू के सर्वर (समन लेकर जाने वाला) ने ब्लेयर हाउस (जहां भारतीय प्रतिनिधिमंडल रुका था) के बाहर नोटिस देने की कोशिश की तो राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी।

पुरानी मस्जिदों से छेड़छाड़ नहीं, गैर मुस्लिम सदस्यों की संख्या में इजाफा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वक्फ विधेयक में कई अहम संशोधन किए गए हैं। ये बदलाव जेपीसी की सिफारिश के आधार पर किए गए हैं। साथ ही सहयोगी दलों जेडीयू और टीडीपी की ओर से सुझाए गए संशोधनों को भी स्वीकार कर लिया गया है। कल यह विधेयक लोकसभा में पेश किया जाएगा।

वक्फ परिषद/बोर्ड में बढ़ाई जाएगी गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या

धारा 11 के तहत संशोधन स्वीकार किया गया है, जिसके अनुसार पदेन सदस्य चाहे वे मुस्लिम हों या गैर-मुस्लिम- उन्हें गैर-मुस्लिम सदस्यों की गिनती में शामिल नहीं किया जाएगा। अब समिति में दो गैर-मुस्लिम सदस्य हो सकते हैं, और इनके अलावा राज्य सरकार का एक अधिकारी भी जोड़ा जाएगा।

वक्फ संपत्ति दान करने के लिए इस्लाम का पालन साबित करना होगा

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा प्रस्तावित विवादास्पद धारा 14 को विधेयक में शामिल कर लिया गया है। इस संशोधन के अनुसार, कोई भी व्यक्ति तभी अपनी संपत्ति वक्फ कर सकेगा, जब वह कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम धर्म का पालन कर रहा हो। इसके अलावा, संपत्ति को वक्फ करने में कोई धोखाधड़ी न हो, इसका भी प्रमाण आवश्यक होगा।

वक्फ ट्रिब्यूनल में अब तीन सदस्य होंगे- पहले ट्रिब्यूनल में केवल दो सदस्य होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब इसमें तीसरा सदस्य एक इस्लामिक स्कॉलर होगा।

कलेक्टर की जगह जांच के लिए नियुक्त होगा वरिष्ठ अधिकारी- पहले, वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण और निगरानी करने का जिम्मा कलेक्टर के पास था। अब यह जिम्मेदारी किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जा सकती है, जिसे राज्य सरकार नियुक्त करेगी।

बिल में क्या अहम संशोधन किए गए हैं?

- वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार का नियंत्रण और भूमिका बनी रहेगी।
- संपत्ति वक्फ की है या नहीं, यह तय करने के लिए राज्य सरकार कलेक्टर की रैंक से ऊपर के अधिकारी को नियुक्त कर सकती है।
- मौजूदा पुरानी मस्जिदों, दरगाह या अन्य मुस्लिम धार्मिक स्थानों से छेड़छाड़ नहीं होगी यानी कानून पुरानी तारीख से लागू नहीं होगा। यह सुझाव जेडीयू की ओर से दिया गया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है।
- औकाफ की सूची गजट में प्रकाशन के 90 दिनों के भीतर पोर्टल पर अपडेट करनी होगी।

कल दोपहर 12 बजे पेश होगा बिल

वक्फ संशोधन बिल को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। ये बिल दो अप्रैल को दोपहर 12 बजे लोकसभा में आएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में इस पर मुहर लग गई है। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी अपने सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर सदन में मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए कहेगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि आठ घंटे चर्चा का समय तय किया गया है। इस समय को बढ़ाया जा सकता है लेकिन सदन की सहमति लेकर के। आजतक से खास बातचीत में किरेन रिजिजू ने कहा कि अब अगर कोई वॉकआउट करके बहाना करना चाहता है, चर्चा से भागना चाहता है तो उसको हम रोक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि चर्चा तो करें। हर दल को अपना पक्ष रखने, अपनी बात रखने का मौका मिलेगा।

देश के अंदर लाल आंतक 12 नहीं, अब सिर्फ 6 जिलों तक सिमट गया : शाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों में समिति रह गई है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री शाह ने लिखा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक समित कर दिया है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। बीते दिनों शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार नक्सलमुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास में गिना जाएगा, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 30 मार्च को बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

कामरा शो विवादः कांग्रेस ने महायुति पर बोला हमला

कहा-महाराष्ट्र को पुलिस राज्य बनाने की हो रही है कोशिश

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने मंगलवार को महायुति सरकार पर कुणाल कामरा विवाद को लेकर जबरदस्त हमला बोला। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि महायुति सरकार महाराष्ट्र को 'पुलिस राज्य' बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कॉमेडियन कुणाल कामरा के शो में शामिल होने वाले दर्शकों को नोटिस जारी किए गए हैं। रिपोर्टों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के नोटिस जारी करना इस बात के संकेत हैं कि महाराष्ट्र को पुलिस नियंत्रित शासन में बदलने की कोशिश की जा रही है। मुंबई पुलिस ने हालांकि यह खंडन किया कि उन्होंने कामरा के विवादास्पद प्रदर्शन के दौरान शो में शामिल हुए दर्शकों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए थे।

गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक केवल शोपीस बन गए हैं

कांग्रेस- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर ताजा हमला करते हुए सपकाल ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के मंत्री खुलेआम धमकियां दे रहे हैं, जबकि गृह मंत्री 'धृतराष्ट्र की तरह अंधे होकर बैठे हैं'। उन्होंने आरोप लगाया गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक केवल शोपीस बन गए हैं।

गुजरात की फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट, 18 लोगों की मौत

अहमदाबाद ■ एजेंसी

बनासकांठा के कलेक्टर मिहिर पटेल ने बताया कि गुरुवार सुबह डीसा के औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़े विस्फोट की सूचना मिली है। आग लगने की खबर मिलते ही फायर डिपार्टमेंट मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया है। इस हादसे में 18 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा कि विस्फोट इतना भीषण था कि फैक्ट्री की स्लैब गिर गई। फिलहाल मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

नोएडा सेक्टर-18 में लगी आग

नोएडा के सेक्टर-18 स्थित कृष्णा प्लाजा में मंगलवार दोपहर आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा ने एएनआई से बात करते हुए कहा, हमने आग लगने की सूचना मिलते ही तुरंत दमकल सेवाओं के साथ मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, और जिनकी तबीयत बिगड़ी, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि सभी मंजिलों की जांच कर ली गई है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए फिर से निरीक्षण किया जाएगा कि कोई व्यक्ति अंदर फंसा न हो। इस मामले में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। इससे एक दिन पहले, सोमवार को दिल्ली के जखीरा इलाके में बड़ा अग्निकांड हुआ था। रेलवे लाइन के पास चप्पल और जूता-कटिंग वेस्ट के गोदाम में आग लग गई, जो करीब 1000 वर्ग गज क्षेत्र में फैल गई। आग की चपेट में आने से रेलवे के 10 सिग्नल बॉक्स भी जल गए। राहत और बचाव कार्य में दमकल विभाग की कई गाड़ियां जुटी रहीं।

व्यंग्य : वक्फ पर तकरार : क्या कामयाब होगी सरकार..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

मोदी सरकार द्वारा लाए जा रहे वक्फ सुधार बिल पर चंद मुस्लिम संगठन व कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का विरोध जारी है और सरकार कोशिश में है कि इसी सत्र में बिल पेश कर दिया जाए तो यह जानना जरूरी है कि क्या लोकसभा व राज्य सभा में पारित कराने में सरकार कामयाब होगी, क्या है बहुमत की स्थिति.. ?

वक्फ बिल नंबर गेम : क्या हारेंगे मुस्लिम वोट भक्ति वाले नेता और जीतेगी मोदी सरकार..?

मोदी सरकार ने वक्फ सुधार बिल 2 अप्रैल को लाना तय किया और इसके लिए सभी सांसदों व एनडीए सहयोगी दलों के सांसदों को भी उपस्थित रहने की सूचना जारी कर दी. 8 घंटे चर्चा का समय भी तय हो गया.क्या होगा यह सब कुछ चर्चा व फिर सरकार की बहुमत शक्ति यानी नंबर गेम पर निर्भर करेगा.सपा सांसद अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव व कांग्रेस के नेताओं के साथ मुस्लिम संगठन नेता ओवेसी आदि ने विरोध जताया है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बिल को संविधान पर हमला बताया है. सांसद राहुल गांधी भी संविधान खतरे में वाली बात कहते रहे हैं जबकि वोट बैंक खतरे में लगता है, क्योंकि गरीब मुसलमानों को सही में लाभ मिला तो विपक्षी नेताओं की राजनीति को बड़ा झटका लग सकता है बीजेपी नेता जगदम्बिका पाल व अन्य बिल को गरीब मुसलमानों के हित में बताने का पूरा भरोसा दिला रहे हैं एवं सभी से गुमराह नहीं करने की अपील भी की जा रही है. अजमेर के मौलाना ने भी फिर कहा कि बिल मुसलमानों के हित में है, भ्रम ना फैलाएं. उल्लेखनीय है कि केरल के बिशप कांफ्रेंस ने भी कहा कि 600 परिवार की संपति वक्फ की बता दी गई और विवाद का हल नहीं निकल सका है, क्योंकि ट्रिब्यूनल का फैसला ही अहम होता है कोर्ट जा नहीं सकते. सरकार चाहती है कि कलेक्टर मामले की जांच करें और भूमि विवाद का फैसला सबूत आधार पर कोर्ट से हो जबकि अभी सब मनमानी चलती है. खैर वोटों की राजनीति में विपक्षी दलों व मुस्लिम संगठनों के विरोध के आगे सरकार की शक्ति क्या है यह भी जानना जरूरी है. उल्लेखनीय है लोकसभा की वर्तमान स्ट्रेंथ 542 है और 240 सदस्यों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है. बीजेपी की अगुवाई वाले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सदस्यों की संख्या 293 है जो बिल पारित कराने के लिए जरूरी 272 के जादुई नंबर से अधिक हैं. विपक्ष की बात करें तो कांग्रेस के 99 सदस्य हैं और इंडिया ब्लॉक में शामिल सभी दलों को मिला लें तो भी संख्याबल 233 ही पहुंचता है. आजाद समाज पार्टी के एडवोकेट चंद्रशेखर, शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल भी सांसद हैं जिनकी पार्टियां एनडीए या इंडिया ब्लॉक, किसी भी गठबंधन में नहीं हैं. कुछ निर्दलीय सांसद भी हैं जो किसी भी गठबंधन के साथ खुलकर नहीं हैं.ऊपरी सदन राज्यसभा की बात करें तो सदन की स्ट्रेंथ इस समय 236 सदस्यों की है. इसमें बीजेपी का संख्याबल 98 है. गठबंधनों के लिहाज से देखें तो एनडीए के सदस्यों की संख्या 115 के करीब है. छह मनोनीत सदस्यों को भी जोड़ लें जो आम तौर पर सरकार के पक्ष में ही मतदान करते हैं तो नंबरगेम में एनडीए 121 तक पहुंच जा रहा है जो विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी 119 से दो अधिक है. कांग्रेस के 27 और इंडिया ब्लॉक के अन्य घटक दलों के 58 सदस्य राज्यसभा में हैं. कुल मिलाकर विपक्ष के पास 85 सांसद हैं. बाकी कुछ अन्य छोटे दल हैं उनके रुख पर भी निर्भर करेगा.वैसे कुल मिलाकर संख्या बल के हिसाब से मोदी सरकार जीत भी सकती है, लेकिन राजनीति निश्चित कुछ भी नहीं कहा जा सकता, बिल पेश होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी ..?

प्रयागराज में बुलडोजर एक्शन पर रउ सख्त, दिया याचिकाकताओं को 10-10 लाख मुआवजा देने का आदेश

प्रयागराज ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में 2021 में हुए बुलडोजर एक्शन पर मंगलवार (1 अप्रैल) फैसला सुनाया है। कोर्ट ने प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी को 5 याचिकाकताओं को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मुआवजा 6 सप्ताह के भीतर दिया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर मकान गिराना गलत था और इसे अवैध माना है।

कोर्ट ने कहा कि यह मुआवजा इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में सरकारें बिना उचित प्रक्रिया के लोगों के मकान गिराने से परहेज करें। जजों ने हाल ही में सामने आए एक वीडियो का भी हवाला दिया, जिसमें गिरती हुई झोपड़ी से एक बच्ची अपनी किताबें लेकर भाग रही थी।

अंबेडकर नगर का वीडियो हुआ था वायरल

उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर का एक वीडियो 23 मार्च को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो में एक बच्ची बुलडोजर की कार्रवाई के दौरान अपनी झोपड़ी की तरफ दौड़ते हुए दिखाई दे रही है। बच्ची झोपड़ी के पास पहुंचकर अपनी किताबें लेकर जल्दी से बाहर आती है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 7 मार्च को उत्तर प्रदेश सरकार को बुलडोजर कार्रवाई को लेकर कड़ी फटकार लगाई थी। पीड़ितों का कहना था कि राज्य सरकार ने गलती से उनकी जमीन को गैंगस्टर अतीक अहमद की संपत्ति मान लिया। इसके कारण प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य लोगों के घर गिरा दिए गए।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारम्भ करने की स्वीकृति

शासकीय सेवकों को देय विभिन्न भत्तों के पुनरीक्षण का निर्णय, छतरपुर में माता बम्बरबैनी प्राचीन मंदिर स्थल पवित्र क्षेत्र घोषित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवायें उपलब्ध कराने के लिए ₹मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा₹ प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रैफिक एवं मार्ग सर्व तथा बसों की फ्रीक्वेन्सी निर्धारित करते हुये एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

यात्री परिवहन सेवा की प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड 20 लाख रुपये की अशंपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत रढश२ गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों को 7 संभागीय कंपनियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात कंपनियों के एकीकृत नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन जायेगा। साथ ही त्रि-स्तरीय संरचना के तहत दायित्व निर्वहन और सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों में राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के 51 प्रतिशत शेयर बहुसंख्यक आधार पर निवेश करने एवं सात सहायक कंपनियों के बोर्ड और उसके आर्टीकल ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति, रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद करते हुए नवीन क्षेत्रीय कंपनी गठित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इन क्षेत्रीय सहायक कंपनियों का गठन, संबंधित संभागीय मुख्यालयों में स्थित सिटी बस ट्रांसपोर्ट की वर्तमान कंपनी में संशोधन कर, निर्मित करने की स्वीकृति दी गई। जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

म.प्र. मोटरयान नियम 1994 के नियमों में आवश्यक संशोधन एवं वांछित प्रावधान करने की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई। इसके लिए प्रशासकीय विभाग द्वारा पृथक से विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी। सात सहायक कंपनियों की सुसंगत पूर्ववर्ती सिटी ट्रान्सपोर्ट कंपनियों द्वारा परिवहन संबंधी दायित्व के निर्वहन के लिए, जो चल-अचल संपति उपयोग में आ रही है, वे यथावत इन कर्पनियों के आधिपत्य में रहेंगी। इसी प्रकार नगर-निगम, प्राधिकरण आदि द्वारा स्वयं की निधि से तैयार किये गये बस टर्मिनल, बस स्टैण्ड, बस स्टॉप आदि, होल्डिंग कंपनी के सामंजस्य से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं यात्री सुविधा के लिए विकसित किए जाएंगे।

वर्तमान सिटी बस कंपनियों के कार्यालय भवन का उपयोग नवीन सहायक कंपनियां यथावत करती रहेंगी। कार्यालय की ऐसी अचल सर्पतियां, जो नगरीय निकाय निधि से अर्जित या निर्मित हैं, उनका मूल्यांकन पृथक से किया जाकर, राशि की प्रतिपूर्ति परिवहन विभाग द्वारा की जायेगी। नवीन गठित होने वाली राज्य स्तरीय कंपनी को नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा पुर्नघनत्वीकरण नीति 2022 के तहत पर्यवेक्षण एजेंसी के रूप में शामिल किया जायेगा।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा₹ संचालन के लिए बस परिवहन अधोसंरचना के तहत पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) प्रक्रिया से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदण्डों का यात्री एवं बस ऑपरेटर के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जायेगा। बस संचालन एवं संधारण के लिए पीपीपी मोड़ प्रक्रिया से, निजी बस ऑपरेटर्स को, संगठित रूप से एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत, दक्ष आई. टी. प्लेटफार्म के माध्यम से विनियमित किया जायेगा। आई.टी. टेक्नालॉजी साल्यूशन की स्थापना करते हुए समस्त बस ऑपरेशन्स पर प्रभावी निगरानी रखी जायेगी। इसके तहत सेवा स्तर समझौता (सर्विस लेवल अग्रीमेंट) और प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (की परफॉर्मेंस इंडिकेटर) पर प्रभावी नियंत्रण रखा जायेगा, जिससे बस ऑपरेशन यात्रियों के लिए सुविधाजनक एवं सुरक्षित हो सके।

होल्डिंग कंपनी द्वारा एक कुशल आई. टी. प्लेटफार्म स्थापित करते हुये उस पर नोटीफाइड रुट अनुसार निजी बस ऑपरेटर्स को अनुबंधित किया जायेगा। होल्डिंग कंपनी मुख्यतः आई.टी. प्लेटफार्म के माध्यम से यात्रियों एवं अनुबंधित ऑपरेटर्स के लिए सुविधाजनक एप एवं एमआईएस/डैशबोर्ड आदि का संचालन करेगी तथा साथ ही राज्य एवं क्षेत्रीय सहायक कंपनी की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल एवं कमांड सेन्टर का संचालन सुनिश्चित करेगी। यात्रियों की लास्ट माईल कनेक्टिविटी के लिए मल्टी मोडल ट्रान्सपोर्ट उपलब्ध कराना, उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदण्डों की अधोसंरचना का निर्माण कराना एवं दैनिंदिनी बस संचालन पर प्रभावी नियंत्रण भी इस नवगठित कंपनी के प्रमुख दायित्वों में रहेगा।

होल्डिंग कंपनी के दायित्व निम्नानुसार रहेंगे

(1) संभागवार सम्पूर्ण प्रदेश में साधारण मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग में ओरिजिन एंड डेस्टिनेशन (ओ-डी) सर्वे एवं बस मार्ग का चिन्हांकन, ताकि अधिक से अधिक मार्ग ऑपरेटर्स के लिए वित्तीय रूप से साध्य हो सकें। साथ ही ऐसे मार्ग का चिन्हांकन जो वित्तीय रुप से ऑपरेटर के लिए साध्य न हों।

(2) मार्ग सर्वे के बाद बसों की फ्रिक्विंसी का निर्धारण करते हुये मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत यात्री परिवहन सेवा के लिए संभागवार स्कीम तैयार करने के लिए शासन को आवश्यक सहयोग करना।

(3) शासन द्वारा मार्गों पर निविदा प्रक्रिया से चयनित अनुबंधित ऑपरेटर्स को परमिट उपलब्ध करवाना ।

(4) एक कुशल आई.टी. प्लेटफार्म, राज्य स्तरीय उपक्रम के कार्यालय एवं क्षेत्रीय कंपनी के कार्यालयों में, कंट्रोल एवं कमांड सेंटर की स्थापना करते हुये एक कुशल आई. टी. प्लेटफार्म को संचालित करना।

(5) आई.टी. टेक्नोलॉजी सॉल्युशन के माध्यम से यात्रियों के लिए ई-टिकिट, मोबाईल एप जिससे बसों की ट्रेकिंग, आक्युपेंसी तथा यात्रा प्लानिंग हो सकेगी। साथ ही यात्रियों के लिए कैशलेस, टेपऑन-टेपऑफ सुविधा, एप के माध्यम से पैसेंजर इंन्फोर्मेशन सिस्टम आदि उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही अनुबंधित ऑपरेटर्स के लिए ऑपरेटर एप, वीडियो ऑडिट साफ्टवेयर (किसी भी समय बसों में यात्रियों की संख्या हेतु) फील्ड ऑडिट एप, एम.आई.एस./ डैशबोर्ड की सुविधा (रिर्पोट सहित), ऑपरेटर स्टॉफ का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही राज्य एवं क्षेत्रीय सहायक कंपनी के लिए कंट्रोल एवं कमांड सेंटर सॉफ्टवेयर, बस/ ऑटो/टैक्सी/मेट्रो के लिए एक बुकिंग प्लेटफार्म की सुविधा (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स प्लेटफार्म), ऑनलाइन यात्री बुकिंग सुविधा, यात्री हेल्प डेस्क, राज्य / संभाग के कार्यालयों में ऑपरेशन डेशबोर्ड, स्टाफ की ट्रेनिंग आदि उपलब्ध करायी जायेगी। इसके अलावा यात्रियों की लास्ट माईल कनेक्टिविटी एवं मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए ट्रेवल एप तैयार किया जाना, जिसमें बस, ऑटो, टेक्सी, ई-स्कूटर, मेट्रो आदि संकलित हो। पैसेंजर इन्फोर्मेशन सिस्टम की स्थापना भी बस स्टैण्ड, यात्री बसों पर रीयल टाइम बेसिस पर की जा सकती है। यह जानकारी मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से सीधे यात्रीगणों को मोबाईल पर मुहैया कराई जायेगी ।

सूक्ष्म में ढ़ाई, लघु में 25 और मध्यम उद्यम में 125 करोड़ की निवेश सीमा

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढ़ाई गुना हुई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रुपए थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा। पहले यह सीमा निवेश के लिये 50 और कारोबार के लिये 250 करोड़ नियत थी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने भी 21 मार्च 2025 को तत्संबंध में अधिसूचना जारी की है।

सामाजिक न्याय में अनुदान आंवटन प्रक्रिया को बनाया गया पूर्ण पारदर्शी

ऑनलाइन होगी आवेदन पत्रों की स्वीकृति या अस्वीकृति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से संबंधी सभी शासकीय और मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाएँ वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाया गया है। अब संस्थाएँ ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने कहा कि विभाग द्वारा शासकीय और अशासकीय मान्यता प्राप्त संस्थाओं, जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र को अनुदान के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। यह संस्थाएँ विभागीय पोर्टल पर अपनी संस्था की सम्पूर्ण जानकारी सहित मांग पत्र जिला कार्यालय को प्रेषित करेंगी। जिला कार्यालयों द्वारा स्वीकृति और अस्वीकृति पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। जिला स्तर पर आवंटन की अनुपलब्धता की स्थिति में अनुशंसा सहित मांग पत्र संचालनालय को प्रेषित किया जाएगा। संस्थाओं को प्रति माह किए गये व्यय की जानकारी भी विभागीय पोर्टल पर दर्ज करानी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश मंत्री परिषद की बैठक मंत्रालय सभागार में हुई। बैठक प्रारंभ होने के पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ।

सांस्कृतिक और खेल गतिविधियो का स्टार सर्च एक्टिविटी कार्यक्रम आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एमपी पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक और खेल गतिविधियो के आयोजित स्टार सर्च एक्टिविटी कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते जहां संगीत, नृत्य और नाटक में प्रतिभा का प्रदर्शन किया वहीं क्रिकेट, कबड्डी और डोजबॉल जैसे खेलों में भी अपना कौशल दिखाया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी पहुंचे थे जो उनका हौसला बढ़ाते दिखे। स्कूल प्रशासन ने प्रतिभाशाली बच्चों के लिए

विशेष पुरस्कारों की घोषणा करते कहा कि विजेताओं को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया जाएगा वहीं स्कूल में प्रवेश के दौरान स्कॉलरशिप, बैग, ड्रेस और बुक्स का लाभ भी दिया जाएगा।

जिला न्यायालय में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के रिक्त पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार 8 एवं 9 अप्रैल को

इंदौर। जिला न्यायालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इन्दौर के द्वारा असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के तीन रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञप्ति जारी की गई थी। उक्त पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 17 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मिथिलेश डेहरिया ने बताया कि इन पदों पर चयन हेतु कुल 194 अधिवक्ताओं के आवेदन प्राप्त हुए है। असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के 03 रिक्त पदों पर चयन हेतु जिला न्यायालय में 08 एवं 09 अप्रैल 2025 को साक्षात्कार लिए जाएंगे। साक्षात्कार हेतु पात्र पाए गए आवेदकों की सूची जिला न्यायालय इन्दौर की अधिकारिक वेबसाईट https://indore.dcourts.gov.in/ एवं जिला न्यायालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

कुमार कृष्णन

ग्लोबल हेराल्ड

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया।

वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध109 गांवों के किसा नकर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

किसानों का मनाना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपजाऊ मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है। बागमती पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे जाम कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था।

उस कमिटी के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कमेटी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई।

इस कमिटी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आईआईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक उस कमिटी की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उसका समय बढ़ाया जाता रहा है। ताजा सूचना के अनुसार उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, इस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट आयी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में बागमती में बराज निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नही हो वहां लचका बनाकर या स्लूईश गेट के माध्यम से उपजाऊ पानी खेतों को दिलाने,सुप्पी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के साथ विस्थापित परिवारों को मुआबजा भुगतान कराने,पूर्व से विस्थापित परिवारों को भूमि पर कब्जा दिलाने,2024के बाढ,कटाव तथा तटबंध टूटने से प्रभावितों को उचित अनुदान तथा गृह क्षति मुआबजा भुगतान, जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से नदियों को बचाने,अल्पवर्षा,कटाव रोकने,गाद सुरक्षा हेतू नेपाल से भारत तक सघन वृक्षारोपण के लिए ठोस पहल करने की मांग की गयी। कन्वेशन में पारित दस सूत्री प्रस्ताव को सरकार को भेजा जाएगा।

बागमती नदी पर तटबंध तथा बराज निर्माण के नाम पर1970 के दशक से ही बडा सपना दिखाया जा रहा है।सरकार अब पुनःबराज का सपना दिखा रही है। वहां के लोगों का कहना है कि सरकार सपना दिखाने के वजाए बागमती को बचाने तथा उसका उपजाऊ पानी खेतों को सुलभ कराने पर काम करे।लोगों ने साफ तौर कहा कि तटबंध-बराज नहीं बागमती का पानी चाहिए।

नेपाल सीमा से सटे मेजरगंज प्रखंड के बसबीट्टा बाजार पर पंचायत भवन के सभागार में किसान नेता तथा स्थानीय मुखिया राघवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन-नदी विमर्श मंच के तत्वावधान मेंआयोजित किसान-कन्वेंशन में प्रस्ताव पारित कर सरकार से 10सूत्री मांगो पर अमल की मांग की गई। राघवेन्द्र कुमार सिंह ने तटबंध के भीतर के गांवों तथा मेजरगंज तथा सुप्पी में बागमती की समस्या पर प्रकाश डाला।

कन्वेंशन में पर्यावरणविद तथा नदी जल विशेषज्ञ रामशरण अग्रवाल ने कहा प्रथम सिंचाई मंत्री ने तटबंध का विरोध किया था।गाद निकालना समस्या है परन्तु गाद नही आने पर चिंतन नही किया जा रहा है।नेपाल के पहाड से समतल तक वृक्षारोपण से गाद रूकेगी।बिहार सरकार स्वेत पत्र जारी करे तथा बागमती पर कितनी राशि खर्च हुई उसकी मांग उठनी चाहिए। बडी नदियों के जीवन के लिए छोटी नदियों को भी बचाना होगा।योजना बनाते समय विस्तृत जानकारी संबंधित क्षेत्रों को दिया जाना जरूरी है।उन्होने पर्यावरण तथा जलवायु संकट पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गांधीवादी तथा नदी जल विशेषज्ञ प्रो आनन्द किशोर ने कहा कि फरक्का बराज से गंगा गाद से भरकर दर्जनो जिलों में तबाही मचा रही है।मुख्यमंत्री तथा जल संसाधन मंत्री फरक्का बराज तोडने की बात कह चुके है वहीं कोशी का बीरपुर बराज फेल है फिर बागमती में ढेंग तथा कटौझा में 45 किमी के बीच दो बराज तथा नेपाल से कटौझा 85कि मी में तीन बराज का कोई औचित्य नही है।

यहां गाद भरने तथा जल जमाव से हजारों एकड खेत बर्बाद होंगे दर्जनो गांवो का विस्थापन होगा।मेजरगंज,सुप्पी तथा बैरगनिया में कभी भी तटबंध टूटेगा तो कोशी के कुसहा जैसी त्रासदी हो सकती है।वैसे नेपाल के करमहिया में पहले हीं बराज बन जाने से खेती के समय ढेंग बराज को पानी नही मिलेगा।

हमें बराज नही तटबंधों पर जहां गांव नही है वहां जगह-जगह लचका तथा स्लूईश गेट बनाकर खेतों को बागमती का उपजाऊ पानी देना चाहिए।

प्रो किशोर ने कहा जहां देश-दुनिया में तटबंध अप्रासंगिक तथा बबार्दी का कारण बना हुआ है यूरोप तथा चीन में तटबंधों को तोडा जा रहा है वहीं बिहार में जन विरोध के बावजूद तटबंध बनाने पर सरकार आमादा है।बागमती कटाव तथा तटबंध टूटने से बर्बाद परिवार मुआबजे के लिए भटक रहे है उन्हे अनुदान के साथ वहां कटाव रोकने में तेजी लानी चाहिए।

संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष जलंधर यदुबंशी ने कहा कि बागमती परियोजना के नाम पर सरकार आमजन की तबाही बढा रही है।नदियों को बंचाने की जगह तटबंधो के कारण नदियां गाद से भरकर मृतप्राय हो रही है।सरकार तटबंध-बराज के नाम पर लूट का खेल खेल रही है।यह गंभीर मसला है इसके लिए आमजन को आगे आना होगा।

पूर्व प्राचार्य शालिग्राम सिंह ने क्षेत्रीय समस्याओं तथा बागमती की तबाही पर प्रकाश डाला।

समाजसेवी रामबाबू प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत तथा मंच संचालन किया।

कन्वेंशन में स्थानीय किसान नागेन्द्र सिंह,बीरेन्द्र कुमार सिंह,जगदीश नारायण सिंह,छोटे लाल पटेल सरपंच,लक्ष्मी सहनी,सुशील कुमार सिंह,रामबाबू राम,राम एकबाल महतो,पप्पूसिंह,मदन साह,सुशीला देवी,मधुरेन्द्र पासवान,अंजू देवी,अंजना देवी,गीता देवी सहित अन्य ने अपना विचार रखे। किसान इसलिए विरोध कर रहे हैं कि इससे बाढ़ की तीव्रता बढ़ेगी और खेतों में गाद जमा होगी। बराज के कारण नदी के जल प्रवाह में बदलाव आएगा, जिससे खेतों में उपजाऊ मिट्टी जमा नहीं हो पाएगी, जिससे खेती प्रभावित होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गोयल विहार रहवासी संघ चुनाव में सम्पन्न

इन्दौर। करीब छः सौ से अधिक रहवासी सदस्यों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर खजराना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी गोयल विहार रहवासी संघ के सम्पन्न हुए चुनाव में ग्यारह सदस्यों को चुना। तत्पश्चात सदस्यों द्वारा आपसी सहमति से गठित कार्यकारिणी में असीम जगधारी को अध्यक्ष, निर्मल तिवारी संयोजक, संजीव वैद्य सचिव, अतुल झाँसीवाले सह-सचिव, अमित विजयवर्गीय और रोहित पंड्या उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष- कौशलेश जोशी, सह कोषाध्यक्ष विवेक शर्मा, प्रवक्ता विवेक श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य धनंजय करमाकर, मुक्ता भारद्वाज चुने गए।

न्यूज ब्रीफ

ब्राह्मण समाज इन्दौर का फाग उत्सव संपन्न

इन्दौर। ब्राह्मण समाज इन्दौर का फाग उत्सव कैट चौराहा स्थित परिणय वाटिका में समाजजनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। होली गीतों की महफि ल में फूलों से होली का सभी आनंद लिया। विभिन्न मनोरंजक स्पर्धा में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। सभी ने स्वच्छता कायम रखने, हरियाली बनाए रखने, ग्रीष्म ऋतु में पशु पक्षियों के लिए दाना पानी आदि की शपथ ली। इस मौके पर समाज की नवीन कार्यकारिणी का गठन सवार्नुमति से हुआ। इसमें नरेंद्र शर्मा अध्यक्ष, संजय शर्मा उपाध्यक्ष, राजू नाइक सचिव, विनोद शर्मा सहसचिव एवं मनोज शर्मा कोषाध्यक्ष के साथ ही महिला मंडल में श्रीमती मीना शर्मा को तथा युवा मंडल के लिए दीपक शर्मा को दायित्व दिया गया। इस अवसर पर समाज की शतायु श्रीमती पार्वती देवी शर्मा (104 वर्षीय) का स्वागत एवं सम्मान श्रीमती उर्मिला नाईक, श्रीमती प्रदीपिका सुगंधी, श्रीमती कुसुम शर्मा एवं नवीन कार्यकारिणी द्वारा समाजजनों के साथ किया गया।

150 वकीलों की टीम सम्पन्न कराएगी जिला बार एसोसिएशन के चुनाव

इन्दौर। आगामी 15 अप्रैल को होने वाले जिला बार एसोसिएशन के चुनाव 150 वकीलों की टीम कराएगी। इसकी तैयारी को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप सिसोदिया, मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक बापना, सहायक निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र मौर्य, नंदकिशोर जाट, लक्ष्मीनारायण यादव, कन्हैयालाल वर्मा, घनश्याम गुप्ता, चेतन निगम, मनोज भोपते, संदेश एकतारे, विकास डागा की उपस्थिति में एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में चुनाव प्रक्रिया सहित मतदान सम्पन्न कराने हेतु अधिवक्ता संजय मेहरा, संजय जैन, अभय जैन को प्रभारी अनुशासन समिति नियुक्त किया गया। पर्यवेक्षक के रूप में अधिवक्ता नरेन्द्रसिंह हाड़ा, हरजीतसिंह छाबड़ा, चक्रेश जैन, महेश हिरवे, हेमंत जैन, हेमंत मुंगी, जेआर पालीवाल, नवीन नवलखा, परशुराम जोशी, राजेश फरक्या, नवीन सोनी, रजनीश उपाध्याय, विकास निगम तथा सीमा नायक, वर्षा शर्मा की नियुक्ति की गई। इसके अलावा लगभग 70 अन्य अधिवक्ताओं को निर्वाचन सहायक के रुप में नियुक्त किया गया है।

निगम रिमूवल की बड़ी कार्रवाई, चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद सड़क चौड़ीकरण के बाधक निर्माण हटाए

इन्दौर। नगर निगम ने आज सुबह चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद के बीच सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत बड़ी कार्रवाई करते क्षेत्र में स्थित दो दर्जन से अधिक बाधक निमार्णों को हटा दिया। निगम प्रशासन इस कार्रवाई हेतु पूर्व में ही नोटिस जारी कर चुका था। आज सुबह नगर निगम की टीम ने कार्रवाई शुरू की, जिसमें बाधक निमार्णों का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त किया गया। इस दौरान मौके पर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। बता दें कि इस क्षेत्र में 18 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण की योजना है, जो कि बाधक निमार्णों के चलते काफी दिनों से लंबित थी अब बाधाओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जीतो इन्दौर चैप्टर द्वारा शोभायात्रा एवं नवकार कलश पूजन का भव्य आयोजन

इन्दौर। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के पावन अवसर पर जीतो इन्दौर चैप्टर द्वारा हाल ही में एक ऐतिहासिक शोभायात्रा एवं नवकार कलश पूजन का आयोजन किया गया। दिगंबर जैन मंदिर, कांच मंदिर, इतवारीया बाजार से प्रारंभ हुई इस भव्य रथयात्रा में सकल जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ भाग लिया। शोभायात्रा में 125 से अधिक सुस्सजित दोपहिया, चारपहिया वाहनों में नवकार कलश की भव्य यात्रा निकाली गई। शहर के प्रमुख जैन मंदिरों और धार्मिक स्थलों से होती हुई यह शोभायात्रा साकेत क्लब, साकेत नगर तक पहुँची। मार्ग में समाजजनों ने कलश पूजन, नवकार मंत्र जाप और वक्षेप पूजा के माध्यम से यात्रा का भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने इस दिव्य अवसर पर विश्व नवकार महामंत्र दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

उच्च दाब उपभोक्ताओं पर 26 पैसे का बोझ

मप्र में महंगी बिजली का करंट

इंदौर/ भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

देश में बिजली की कीमतों में औसतन 3.46 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई है, जो 1 अप्रैल से लागू हो गई है। इस वृद्धि से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा। मध्यम वर्ग से लेकर ई-रिक्शा चालकों तक, सभी उपभोक्ता इस फैसले से प्रभावित होंगे।

बिजली कंपनियों ने विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें बढ़ाई हैं, जिसमें ई-रिक्शा चार्जिंग और उच्च दाब उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बोझ डाला गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि गरीब से लेकर उच्च वर्ग तक सभी को प्रभावित करेगी।

ई-रिक्शा चालकों पर सबसे ज्यादा मार- ई-रिक्शा चार्जिंग की दर में 24 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो मौजूदा 6.90 रुपये से बढकर 7.14 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। यह उन चालकों के लिए बड़ा झटका है जो चार्जिंग पर निर्भर होकर अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अलावा, निजी इलेक्ट्रिक वाहनों को घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने की सुविधा रहेगी, लेकिन वाणिज्यिक उपयोग के लिए अलग कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।

उच्च दाब और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर भी असर

उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए 33 केवी लाइन की दर 5.65 रुपये से बढकर 5.91 रुपये हो गई है, यानी 26 पैसे की वृद्धि। वहीं, वाणिज्यिक कनेक्शनों में 20 पैसे की बढ़ोतरी के साथ दर 6.30 रुपये से 6.50 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। कृषि पंप (300-750 यूनिट) के लिए भी 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो अब 5.92 रुपये से 6.10 रुपये हो गई है।

रात्रिकालीन छूट में बदलाव- औद्योगिक उपभोक्ताओं को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट को संशोधित किया गया है। नए टैरिफ में आठ माह के लिए 7.5 प्रतिशत और जून से सितंबर तक 10 प्रतिशत छूट लागू होगी। बिजली मामलों के जानकार राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह बढ़ोतरी वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी वर्गों के लिए चुनौतीपूर्ण होगी।

चमत्कारी है हरसोला स्थित स्वयं-भू माँ भवानी माता मंदिर

चैत्र नवरात्रि में माँ के आंगन में लगा भक्तों का तांता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर नौ दिनी गरबा उत्सव के साथ माताजी के नौ स्वरूपों को पूजा जाता है। वहीं इन्दौर के ग्राम हरसोला में स्वयं-भू माँ भवानी माता मंदिर इतिहास लगभग 400 वर्ष पुराना है। यहां पर स्वयं-भू माँ भवानी प्रतिमा निकली जिसका विधिवत पूजन वर्षों से किया जा रहा है। पं. बालकृष्ण शर्मा की चौथी पीढ़ी माँ भवानी का प्रतिदिन पूजन-पाठ कर उनकी सेवाएं दे रहे हैं।

जानकारी देते हुए समाजसेवी मदन परमालिया एवं पं. भरत शर्मा ने बताया कि माँ भवानी माता मंदिर चमत्कारी मंदिर होकर यहां पर अपने दिल से रखी गई बात, निश्चित रूप से पूरी होती है। ऐसे कई उदाहरण देखने और सुनने को मिले हैं। माँ रोजाना तीन स्वरूपों में अपने भक्तों को दर्शन देती है। सुबह बाल अवस्था, दोपहर में युवा अवस्था और शाम को वृद्धावस्था रूप में माँ के दर्शन होते हैं। बाल अवस्था में जब बच्चे का जन्म होता है और वह बोल नहीं पाता है, तो अगर मंदिर में कैची चढ़ाने की मांग आप करते हैं तो निश्चित बच्चा बोलने लगता है। कैची किसी भी प्रकार की हो सकती है।

चैत्र नवरात्रि में 9 दिनों तक मातृशक्ति अपने मधुर आवाज में माँ के भजनों की प्रस्तुति देती है। लगभग 8 हजार स्के. फीट में मंदिर का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत तक हो चुका है, जिसमें जन सहयोग से श्रद्धालुगण योगदान दे रहे हैं। मंदिर में इन्दौर शहर के अलावा प्रदेश, देश-विदेश से भी भक्तगण अपनी श्रद्धा के साथ जुड़े हुए हैं और सभी की मनोकामना माँ भवानी के आशीर्वाद से पूर्ण हो रही है। अमावस्य की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन प्रतिमाह 200 से 300 कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें भोजन प्रसादी करवाई जाती है एवं नवरात्रि महोत्सव के बारस के दिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

नि:शुल्क नीम के पानी का लगाया स्टाल, सैकड़ों लोगों ने पिया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज सुबह इन्दौर के यशवंत क्लब रोड़ पर मार्निंग वॉक के लिए आएं मार्निंग वॉकर और गुजर रहे राहगीर उस समय ठिठक कर रूक गये जब उन्होंने वहां नीम के पानी के वितरण हेतु स्टाल लगा हुआ देखा। बस फिर क्या था यशवंत क्लब पर शुरू हुए नीम के पानी के इस निशुल्क वितरण के स्टाल पर धीरे धीरे भीड़ बढ़ती गई और हर वर्ग के व्यक्ति ने उत्साह से नीम का पानी पिया। तकरीबन साढ़े आठ बजे तक जारी इस निशुल्क नीम के पानी के वितरण में सैकड़ों लोग पहुंचे थे।

किसानों की जमीन छीनकर कॉरपोरेट्स और रियल एस्टेट लॉबी को देने की योजना है भाजपा का भूमि अधिग्रहण कानून

किसानों का दुश्मन और रियल स्टेट माफिया को लाभ पहुंचाने वाला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पुराने केन्द्रीय कानून राईट टू फेयर कम्पनसेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड एण्ड एक्रिजिशन रिहैबिलिटेशन एंड रिसेटलमेंट एक्ट 2013 को कमजोर करने के साथ ही भूमि अधिग्रहण कानून 2025 बड़े व्यापारियों व रियल एस्टेट माफिया को फायदा पहुंचाने वाला है। प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा मप्र भूमि अधिग्रहण कानून 2025 के नाम पर किसानों एवं गरीबों के साथ धोखा किया जा रहा है। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वरिष्ठ अभिभाषक प्रमोद द्विवेदी ने लगाया है। उन्होंने जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, जिला कांग्रेस महिला अध्यक्ष रीता डांगरे, दौलत पटेल एवं विवेक खंडेलवाल के साथ आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुराने कानून 2013 का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि 1894 के औपनिवेशिक कानून को हटाकर ऐसा कानून बनाना जो जमीन लेते वक्त लोगों को सही पैसा दे, उनकी राय ले और फिर उन्हें बसाए। इसी प्रकार गांवों में 2 गुना और शहरों में 4 गुना मुआवजा दिया जाए ताकि मजदूरों, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को भी मदद मिल सके। द्विवेदी ने जमीन अधिग्रहण से सम्बंधित अनेक मुद्दों पर नये कानून (2025) को किसानों का दुश्मन बताते हुए कहा कि सरकार दावा करती है कि यह विकास और औद्योगिक प्रगति के लिए है, लेकिन हकीकत में यह किसानों की जमीन छीनकर कॉरपोरेट्स और रियल एस्टेट लॉबी को देने की योजना है। जमीन के बदले मुआवजा कानून के प्रावधान के अनुसार बहुत कम या कुछ जगहों पर शायद बिल्कुल न मिले।

हनुमान जन्मोत्सव : 11 अप्रैल को निकलेगी चिंतामण हनुमान बालाजी की भव्य शोभायात्रा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रोबोट चौराहा स्थित प्राचीन श्री चिंतामणि हनुमान मंदिर से इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व 11 अप्रैल को संध्या 5:00 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। यात्रा रोबोट चौराहा, एम आर-9, बफार्नी धाम, एबी रोड, बीआरटीएस होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न होगी।

रंग पंचमी से शुरू हुई तैयारियां - मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित शैलेंद्र बसंत जोशी, कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि शोभायात्रा की तैयारियां रंग पंचमी से ही शुरू हो चुकी हैं। अलग अलग बैठकों का दौर जारी है यात्रा में भोलेनाथ और हनुमानजी के स्वरूप में नृत्य करते कलाकार, महिलाओं की भजन मंडलियां, महाकाल डमरू मंडल, मदार्ना मंडल, ढोल-नगाड़े, और डीजे की धुन पर झूमते श्रद्धालु आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

हनुमान जी की भव्य पालकी होगी मुख्य आकर्षण

यात्रा के प्रमुख आकर्षणों में श्री हनुमान जी की भव्य पालकी एवं रथ में विराजित प्रतिमा रहेगी, जिनका स्वागत विभिन्न मंचों पर किया जाएगा। सभी श्रद्धालु भगवा ध्वज थामे धार्मिक वेशभूषा में शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे। मंदिर पहुंचने पर बाबा की सवारी का पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी से स्वागत किया जाएगा। तत्पश्चात महाप्रसादी वितरण होगा।

28 वर्षों से हो रहा आयोजन - मंदिर के मुख्य पुजारी पं. शैलेंद्र जोशी ने बताया कि यह आयोजन विगत 28 वर्षों से निरंतर हो रहा है, जिसमें संत, पुजारी, भक्तजन एवं समस्त धर्मप्रेमी जनता बढ़-चढ़कर भाग लेती है।

आयोजन

- 6 अप्रैल : रामनवमी पूजन एवं 1100 श्रीफल का होम यज्ञ
- 12 अप्रैल : हनुमान जी का अभिषेक, पूजन, चोला श्रृंगार एवं अखंड रामायण पाठ
- 17 अप्रैल : विशाल भंडारा (संध्या 7:00 बजे से)
- चिंतामणि हनुमान सेवा भक्त मंडल के सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न तैयारियों में जुटे हुए हैं।

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने आकर्षित किया है

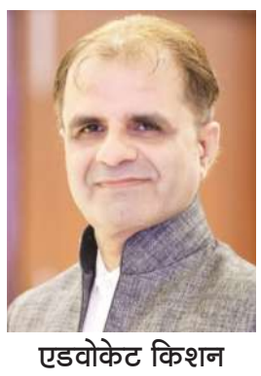

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

भारत हजारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खजाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खजाने से भरपूर कैसे हो सकता है!

साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!!!

साथियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखते सुनते पढ़ते हैं कि माननीय उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक बुद्धिजीवियों कला प्रेमियों द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के विविध रंगों को सुरक्षित और कायम रखने के लिए उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है।

साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खजाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत जरूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फीसदी जनसंख्या युवा है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी।

लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राजील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है। 2018 में, मैंने, अर्जेंटीना की अपनी यात्रा के दौरान योग के कार्यक्रम में झ्र योगा फॉर पीस में हिस्सा लिया था। यहाँ अर्जेंटीना में एक संस्था है झ्र हस्तिनापुर फाउंडेशन। आपको सुनकर के आश्चर्य होता है न, कहाँ अर्जेंटीना, और वहाँ भी, हस्तिनापुर फाउंडेशन। यह फाउंडेशन, अर्जेंटीना में भारतीय वैदिक परम्पराओं के प्रसार में जुटा है। इसकी स्थापना 40 साल पहले एक मैडम, प्रोफेसर ऐडा एलब्रेक्ट ने की थी। आज प्रोफेसर ऐडा एलब्रेक्ट 90 वर्ष की होने जा रही हैं। भारत के साथ उनका जुड़ाव कैसे हुआ ये भी बहुत दिलचस्प है। जब वो 18 साल की थी तब पहली बार भारतीय संस्कृति की शक्ति से उनका परिचय हुआ। उन्होंने भारत में काफी समय भी बिताया। भगवद् गीता और उपनिषदों के बारे में गहराई से जाना। आज हस्तिनापुर फाउंडेशन के 40 हजार से अधिक सदस्य हैं और अर्जेंटीना एवं अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी करीब 30 शाखाएं हैं। हस्तिनापुर फाउंडेशन ने स्पेनिश भाषा में 100 से अधिक वैदिक और दार्शनिक ग्रन्थ भी प्रकाशित किये हैं। इनका आश्रम भी बहुत मनमोहक है। आश्रम में 12 मंदिरों का निर्माण कराया गया है, जिनमें अनके देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं। इन सबके केंद्र में एक ऐसा मंदिर भी है जो अद्वैतवादी ध्यान के लिए बनाया गया है।साथियो, ऐसे ही सैकड़ों उदाहरण यह बताते हैं, हमारी संस्कृति, हमारे लिए ही नहीं, बल्कि, पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल धरोहर है। दुनिया भर के लोग उसे जानना चाहते हैं, समझना चाहते हैं, जीना चाहते हैं। हमें भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को खुद अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए सब लोगों तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संस्कृति महान है। वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विभिन्न रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने सारे विश्व को आकर्षित किया है तथा भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत ने संपूर्ण विश्व में अपनी एक अलग पहचान, प्रतिष्ठा बनाई है जिस पर हमें गर्व है।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फिर भी ज़िंदगी हसीन है...

चुनौतियों का सामना करें और सफल बनें !!!

दोस्तों, आज मैं आपको एक ऐसे युवा की कहानी सुनाने जा रहा हूँ, जिन्होंने मात्र 27 वर्ष की उम्र में भारत के सबसे युवा अरबपति बनने का गौरव हासिल किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने स्टार्टअप जाइबर 365, जो कि वेब 3 और एआई पर आधारित है, को मात्र तीन माह में यूनिकॉर्न का दर्जा दिलवा दिया। $1.2 बिलियन की वैल्यूएशन के साथ आज यह स्टार्टअप ब्लॉकचेन तकनीक और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है।

दोस्तों मैं बात कर रहा हूँ पर्ल कपूर जिन्होंने लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से निवेश बैंकिंग में एमएससी की डिग्री प्राप्त की। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने एएम-पीएम स्टोर में वित्तीय सलाहकार और ऐनटायर सॉल्यूशंस में व्यवसाय सलाहकार के रूप में कार्य किया। शिक्षा से लेकर सफल उद्यमी का उनका सफर प्रेरणादायक है। फरवरी 2022 में पर्ल कपूर ने बिलियन पे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक कंपनी की स्थापना करी। लेकिन पर्ल कपूर को पहचान, सफलता और बड़ी उपलब्धि मई 2023 में शुरू की गई जाइबर 365 से मिली। जिसने मात्र तीन महीनों में यूनिकॉर्न क्लब में शामिल होकर अभूतपूर्व सफलता पाई।

तकनीक की दुनिया में क्रांति लाने वाली इस कंपनी का मुख्यालय लंदन में है और इसका परिचालन केंद्र गुजरात के प्रमुख शहर अहमदाबाद में स्थित है और इसका मुख्य उद्देश्य वेब 3, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा एआई में नवाचार करना है। जाइबर 365 से पर्ल कपूर एक सुरक्षित और विकेंद्रीकृत डिजिटल भविष्य की कल्पना कर रहे हैं। वे व्यवसायों को अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे अपने डेटा और सिस्टम को सुरक्षित रख सकें।

दोस्तों, एक निवेश बैंकर से एक टेक स्टार्टअप के संस्थापक तक का उनका सफर यह दशार्ता है कि आत्मविश्वास, जुनून, कठोर परिश्रम, सही दृष्टिकोण और अथक प्रयासों से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सही समय पर सही निर्णय लेने से जीवन में असाधारण परिवर्तन संभव है। उन्होंने भारत के युवाओं के लिए एक नई राह बनाई है और दिखाया है कि भारतीय टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स भी वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकते हैं। पर्ल का मानना है कि असफलताओं और चुनौतियों को अवसरों में बदलना ही सफलता की कुंजी है।

मैं अपने युवा उद्यमी या तकनीकी पर आधारित स्टार्टअप शुरू करने की चाह रखने वाले दोस्तों से यही कहना चाहूँगा कि पर्ल की कहानी से प्रेरणा लेकर, अपने सपनों को साकार करने के लिए साहस और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। याद रखियेगा, सफलता उन्हीं को मिलती है, जो चुनौतियों का सामना करने का साहस रखते हैं और लगातार अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहते हैं।

-निर्मल भटनागर
एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर
nirmalbhatnagqr@dreamsachievers.com

पीपीपी मॉडल से होगा मप्र में बसों का संचालन

मप में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को कैबिनेट की मंजूरी, हाइटेक होगी सेवा

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य में सुगम, सुरक्षित और विनियमित यात्री परिवहन सुविधा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने कैबिनेट ने मंजूरी दी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया है। इस योजना की शुरूआत के लिए राज्य सरकार ने 101 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना के तहत ग्रामीण और साधारण मार्गों पर संगठित बस परिवहन सेवा को विकसित करने के लिए निजी बस ऑपरेटर्स की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे बस संचालन, अधोसंरचना निर्माण और विनियमन में पारदर्शिता आएगी।

बस परिवहन के लिए नया मॉडल लागू होगा

राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन मॉडल तैयार किया है। इसमें पीपीपी मॉडल के तहत बस स्टैंड, बस डिपो और अन्य

सुविधाओं का निर्माण होगा। निजी ऑपरेटर्स को आईटी प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लाइसेंस जारी किए जाएंगे। बस सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सर्विस लेवल एग्रीमेंट और की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स पर आधारित निगरानी होगी।

वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन कंपनियां कार्यरत हैं। इनमें से 16 कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि चार कंपनियां निष्क्रिय हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि इन सभी को मिलाकर सात संभागीय कंपनियों में विलय किया जाएगा। इन कंपनियों का संचालन राज्य स्तरीय एक होल्डिंग कंपनी के माध्यम से किया जाएगा, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करेगी।

निगरानी के लिए आधुनिक आईटी प्लेटफॉर्म

यात्रियों की सुविधा और बस संचालन की प्रभावी निगरानी के लिए एक उन्नत आईटी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिसमें यात्री मोबाइल ऐप के जरिए बसों की ट्रैकिंग, सीट उपलब्धता और यात्रा प्लानिंग कर सकेंगे। बस ऑपरेटर्स के लिए वीडियो ऑडिट सॉफ्टवेयर, एमआईएस डैशबोर्ड और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा रहेगी। सभी संभागीय और राज्य स्तरीय कार्यालयों में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। बस, ऑटो, टैक्सी, ई-स्कूटर और मेट्रो सेवाओं को एकीकृत करने के लिए ट्रैवल ऐप तैयार किया जाएगा। परिवहन सुविधा को प्रभावी और सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं—ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का सर्वेक्षण होगा। वित्तीय दृष्टि से व्यवहार्य बस रूट्स की पहचान की जाएगी। निविदा प्रक्रिया से चयन किया जाएगा। निजी ऑपरेटर्स को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अनुबंधित किया जाएगा। परिवहन पर्यावरण-अनुकूल परिवहन रहेगा। ई-बस और इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों का विकास किया जाएगा।

सेंधवा, निर्मला वर्मा। गणगौर माता के पूजन की धूम बाना अभिनव कॉलोनी से निकाला गया राजराजेश्वर मंदिर में समाप्त किया जिनमे शामिल हुवे कमला शर्मा दीपा शर्मा अंजली सोनवने गुड़िया शर्मा यशिका अर्चना गुप्ता वैशाली खंडेलवाल तनु वाघ नमिता खंडेलवाल पलक प्रीति वर्मा और अन्य महिलाए और बच्चे भी शामिल हुवे ।

पेट्रोल-डीजल पर लगाए टैक्स से भी अब होगा फ्लायओवर और सडकों का निर्माण

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर लिए जाने वाले टैक्सों के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अतिरिक्त सेस लगाया जाता है, जिससे सडकों-फ्लायओवरों का निर्माण देशभर में करवाया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में फ्लायओवरों के अलावा महत्वपूर्ण सडकों के निर्माण भी सेंट्रल रोड फंड से करवाए जा रहे हैं। अब 22 जिलों की 30 सडकों का निर्माण और आधा दर्जन फ्लायओवरों भी सीआरएफ फंड से बनेंगे। लोक निर्माण विभाग को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि केन्द्र ने इस फंड से जारी की है। लोक निर्माण विभाग अब सीआरएफ फंड से मिली राशि से भी जिन सडकों और फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जाना है उनके सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू करेगा।

भोजपुर मंदिर के पास दो बाघों का रेस्क्यू

भोपाल। रायसेन के भोजपुर मंदिर के पास से दो बाघों का रेस्क्यू किया गया। वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने सोमवार पिंजरे लगाए थे। उसी रात करीब 9 बजे एक बाघ पिंजरे में कैद हो गया। जबकि दूसरे बाघ को मंगलवार को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा गया। दोनों को चेकअप के बाद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। पिछले एक महीने से बाघों का इस एरिया में मूवमेंट था। दोनों 10 से ज्यादा मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। ग्रामीण दहशत के कारण खेतों में फसल नहीं काट पा रहे थे। भोजपुर, मंडीदीप और बंगरसिया आने-जाने के लिए जंगल से गुजरना पड़ता है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों को देर रात यहां से गुजरना पड़ता है। बाघों के मूवमेंट से ग्रामीण डर में जी रहे थे। इसी के चलते उन्होंने वन विभाग से बाघों के रेस्क्यू की मांग की।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम दिन निगम अमले ने वसूली 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली के प्रभावी प्रयासों एवं ऑन लाईन भुगतान करने पर अधिभार में दी गई विशेष छूट का लाभ उठाते हुए करदाताओं ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम दिन समाचार लिखे जाने तक 10 हजार 600 से अधिक करदाताओं ने 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की जिसमें से 04 हजार 800 से अधिक करदाताओं ने ऑन लाईन राशि जमा की है। करदाताओं द्वारा जोन@वार्ड कार्यालयों एवं राजस्व वसूली शिविरों में कर जमा करने का क्रम जारी है।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा राजस्व वसूली प्रभावी ढंग से करने और करदाताओं को उनके निवास के समीप ही करों की अदायगी बेहतर व सुविधाजनक व्यवस्था देने के दृष्टिगत राजस्व वसूली शिविर निरंतर आयोजित किये गये और बकायादारों के विरूद्ध सख्ती के साथ कार्यवाही किये जाने के निदेर्शों के परिपालन में निगम अमले ने सतत रूप से राजस्व वसूली का कार्य किया और करदाताओं को करों की समय पर अदायगी की समझाइश एवं समय पर कर अदा न करने पर होने वाली कठिनाईयों के बारे में भी बताया। संपत्तिकर, जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार का ऑन लाईन भुगतान करने पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की विशेष छूट का लाभ उठाते हुए वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 04 हजार 800 से अधिक करदाताओं ने ऑन लाईन कर की राशि जमा की।

पेट्रोल-डीजल पर लगाए टैक्स से भी अब होगा फ्लायओवर और सडकों का निर्माण

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर लिए जाने वाले टैक्सों के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अतिरिक्त सेस लगाया जाता है, जिससे सडकों-फ्लायओवरों का निर्माण देशभर में करवाया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में फ्लायओवरों के अलावा महत्वपूर्ण सडकों के निर्माण भी सेंट्रल रोड फंड से करवाए जा रहे हैं। अब 22 जिलों की 30 सडकों का निर्माण और आधा दर्जन फ्लायओवरों भी सीआरएफ फंड से बनेंगे। लोक निर्माण विभाग को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि केन्द्र ने इस फंड से जारी की है। लोक निर्माण विभाग अब सीआरएफ फंड से मिली राशि से भी जिन सडकों और फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जाना है उनके सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश की कई महत्वपूर्ण सडकें शामिल हैं, जिनके प्रस्ताव विधायक और सांसदों के माध्यम से शासन और फिर उसके बाद केन्द्रतक भेजे जाते हैं। गत वर्ष 3 हजार 800 करोड़ की राशि हासिल हुई थी। वहीं इस बार यह आंकड़ा 5 हजार करोड़ के पार हो गया है, जिसमें दो चरणों में 46 सडकों के साथ 7 फ्लायओवरों का निर्माण भी किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस फंड से सबसे अधिक सडकें पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री के क्षेत्र में बन रही है। बुधनी के अलावा अधिक सडकें उज्जैन में निर्मित होंगी, जिसके प्रस्ताव सिंहस्थ के मद्देनजर भी शासन द्वारा केन्द्र को भेजे गए। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि इनमें से कुछ सडकों के निर्माण शुरू भी हो गए हैं, जिनके टेंडर पूर्व में मंजूर कर लिए थे।

अपराध का फल जेल है, तो पाप का फल दुर्गति : मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुनि श्री ने कहा कि पाप की क्रिया करेंगे तो पाप का बंध तो होगा ही होगा और जब पाप का बंध होगा तो पाप का फल भी मिलेगा ही मिलेगा मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य के जीवन की यह एक विडंबना है, कि वह कर्म बांधने में बैखौफ होकर कर्म बांधता है, और जब वह कर्म पककर अपना फल देता है तो बहूत रोता है, कि हाय यह कैसे हो गया? मुनि श्री ने कहा कि जैसा कर्म तुमने किया है, तो बैसा फल तुम्है भोगना ही पड़ेगा जब महापुरुषों को भी कर्म फल भोगना पड़ा तो हम तुम तो साधारण प्राणी है इसलिये कोई भी अशुभ कर्म है उसको करते समय सावधान रहो मुनि श्री ने कहा कि भगवान पारसनाथ के जीव को देखो एक भव में गल्ती हुई गलत फहमी हुई उस पाप को काटने में 10भव लग गये और मुनि बनने के पश्चात भी कर्मों ने नहीं छोड़ा चकृवतीओ तथा बड़े बड़े

वर्धमान नगर एयरपोर्ट रोड में प्रातःकालीन धर्मसभा का हुआ आयोजन

महापुरुषों को भी कर्म ने नहीं छोड़ा मुनि श्री ने कहा कि जीवन में पुण्य पाप का चक्र निरंतर चलता रहता है, कर्म बंध निरंतर हो रहा है इस बात का अहसास होंना छाहिये। मुनि श्री ने कहा कि अपराध का फल जेल है इसलिये अपराध करने से डरते हो, पाप फल दुर्गति है, जिस दिन यह बोध हो जाऐगा आप पाप से बच जाओगे मुनि श्री ने कहा कि पाप से डरोगे तभी कर्म के फल से बच पाओगे मुनि श्री ने कहा कि अशुभ प्रवत्तियों से हर पल सावधानी रखिये जीवन बहुत छोटा सा है, जीवन की कहानी समाप्त हो जाऐ कहा नहीं जा सकता

श्रीमद् राजचंद्र जो कि एक जैन साधक थे, और गांधी जी उनको अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे वह हमेशा कहते थे कि तीन बातें सदैब ध्यान रखना

काल सिर पर सबार है मौत कभी भी तुम पर हांवी हो सकती है पांव रखते ही पाप लगता है यानि हमारी प्रत्येक प्रवत्ती में पाप समाया हुआ है, कदम कदम पर पाप का बंध हो रहा है यह अहसास अपने मन में जाग्रत होंना चाहिये।

नजर खोलते ही जहर चड़ता है पंचेन्द्रिय के विषयों की ओर देखा नहीं कि उनका जहर चड़ा नहीं यह विषय विष से खतरनाक बिष है विष तो एक भव को लीलता है विषय भोग भव भव को लील जाते है मुनि श्री ने कहा कि जिसे कर्मों से डर लगता है उसी को बैराग्य होता है आचार्य श्री हमेशा कहा करते थेसंसारी प्राणी सभी वीर योद्धा है इनको कर्मों से कोई डर नहीं लगताजिसे कर्मों से डर होता है वही कर्मवंध से बच सकता है उन्होंने कर्मवंध के फल से बचने का उपाय बताते हुये कहा कि कर्म जब पक कर तैयार है और अपना फल दैने लगे तो सबसे पहले समता रखो उस पर हर्ष विषाद या राग द्वैष मत करो यदि करोगे तो कर्म और हांवी होगा। समता सबसे बड़ी तपस्या हैदुःखों को सहने का नाम ही तप है, खुद के दुःख, खुद को ही सहना पढ़ते है, कर्म को रो रो कर सभी को सुनाओगे तो वह और बडेंगे इसलिये कहा है कि कर्म करने से पहले सोचो और कर्म आऐ तो समता रखोगे तो धीरे धीरे बुरा समय टल जाऐगा, राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनिसंघ वर्धमान नगर भोपाल में विराजमान है मुनि श्री के सानिध्य में आगामी10 अप्रेल को महावीर जयंती राजधानी भोपाल में ही मनाई जाऐगी ज्ञातव्य रहे उपरोक्त दिवस आचार्य गुरुदेव ने सोनागिर तीर्थ पर मुनि श्री को 1988 में मुनिदीक्षा प्रदान की थी अतः मुनि श्री 38 बां दीक्षा दिवस धूमधाम से मनाया जाऐगा।

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है।

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूवार्नुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

दैवेभो कर्मचारियों की नई वेतन दरे लागू

भोपाल। मप्र के श्रम आयुक्त ने प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से 31 सितंबर तक के लिए नई वेतन दरें घोषित कर दी हैं। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि श्रम आयुक्त ने प्रदेश के शासकीय एवं अद्दशसाकीय विभागों में काम करने वाले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से अब अंकुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 12125 रु अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 13121रु कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 14844 रु उच्च कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 16469 रुपए निर्धारित किया है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों को उक्त वेतन के साथ-साथ रविवार का अवकाश भी मिलेगा। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश की दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के वेतन में 1 अप्रैल 2025 से प्रतिमाह 275 रुपए की वृद्धि करने को ऊंट के मुंह में जीरा के समान बताया है। श्रम आयुक्त ने अभी भी प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों की वेतन वृद्धि 10 साल पुराने इंडेक्स के आधार पर घोषित किया है जो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के साथ अन्याय है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का श्रम आयुक्त ने आर्थिक नुकसान किया है।

Change in Name

I Pradeep Bakliwal S/o Hiralal Bakliwal here by Declare That I have changed My Name as Pradeep Kumar Bakliwal S/o Hiralal Bakliwal so, from now and in future I will be known by my new name Pradeep Kumar Bakliwal S/o Hiralal Bakliwal.

Add : 4, Bima Nagar, Indore, Madhya Pradesh - 452018

न्यूज ब्रीफ

बजरंगदल के कार्यकताओं ने अखिलेश यादव का पुतला फूंका

गुना। सपा के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के द्वारा गौ माता पर दिए गए बयान से नाराज बजरंगदल के कार्यकताओं ने अखिलेश यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए हनुमान चौराहा पर पुतला फूंका मंगलवार को बजरंगदल के कार्यकताओं ने अखिलेश यादव का पुतला फूंक नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया । एवं कलेक्ट्रेट पहुंच कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया । बजरंगदल कार्यकताओं ने इसे गौमाता का अपमान बताया है । इस मामले में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री राकेश शर्मा ने भी कड़ी प्रक्रिया जताते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और उनके मुखिया सनातन विरोधी भाषण बाजी कर रहे हैं । गाय माता इस देश की पुरातन परंपरा है । गौशाला के ऊपर जो टिप्पणी अखिलेश यादव ने की है । वह बेहद निंदनीय है । विश्व हिंदू परिषद ने भी इस मामले में अपना विरोध प्रदर्शन किया है अखिलेश यादव द्वारा की गई । टिप्पणी गौ माता और सनातन परंपरा का अपमान है । पुतला दहन करने वालों में जिला सह मंत्री रामप्रसाद शर्मा,जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण ओझा,जिला गो रक्षा प्रमुख राजेंद्र कुशवाहा,जिला मीडिया प्रभारी दीपक गौड़, बजरंगदल जिला संयोजक भूपेंद्र कुशवाहा,बजरंगदल जिला सह संयोजक गौरव कुशवाहा, एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात व्यक्ति की छत विछत लाश मिली

जबलपुर। गौरीघाट थाना अतंर्गत जिलहरी घाट के पास छत विछत हालत में पड़े एक अज्ञात शव की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पंचनामा कार्रवाई के लिए भिजवाया। गौरीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस जिलहरी घाट के पास एक अज्ञात शव छत विछत हालत में पड़ा था, सिर में कीड़े लगे हुए थे बाये हाथ का पंजा नहीं है बदन पर काले रंग की फुल पेंट जैसा लोवर एवं टीशर्ट पहने हुए है। अज्ञात मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष की होगी सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचानामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते मर्ग कायम कर अज्ञात की शिनाखत्गी के प्रयास जारी हैं।

अवैध शराब कारोबारियों की धरपकड़

जबलपुर। शहर पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 48 बीयर, 188 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 21 लीटर कच्ची शराब जब्त की है कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 45 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 107 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 3 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 14 गैरम्यादी, 6 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 31 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 48 केन बीयर, 188 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 21 लीटर कच्ची शराब, जब्त की गयी।

बाबा साहेब की जयंती को लेकर बैठक

जबलपुर। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 14 अप्रैल को जयंती के आयोजन की तैयारियों को लेकर परिसंघ जबलपुर की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। दलित ओबीसी माइनॉरिटी एवं आदिवासी संगठनो के परिसंघ जबलपुर के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय झारिया एवं जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार कापसे द्वारा ली गई बैठक में तैयारियों के विषय में चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती, अंबेडकर चौक में भव्यता पूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं में जे.पी. नन्हेट, वि.वि.महासंघ पूर्व प्रांताध्यक्ष बंशबहोर पटेल, कर्मचारी संघ महासचिव सुखदीन कटारे ने संबोधित कर कर्मचारियों से संगठित रहने का आव्हान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष अजय झारिया ने अपने विचार रखते हुए कहा की बाबा साहब की जयंती को भव्यता पूर्वक बनाएं और उनके विचारों को आगे बढ़ायें । इस अवसर पर जबलपुर परिसंघ ,सामाजिक संघों एवं विश्वविद्यालय परिवार से सुनील रैकवार, सुरेंद्र लखेरा, गोविंद तिलंगा, मोहन लाल रैकवार, तीरथ लाल बर्मन, बैसाखू मांझी, राम सजीवन सोंधिया, समयलाल साकेत, शुभम कटहोता, प्रेम बर्मन, सुरेश पहाड़े, पुरूषोत्तम चौधरी, महेंद्र रैना, अर्जुन समुद्रे, महेंद्र सुखदान, नीतेश कुमार बर्मन किशन केवट आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन सुखदीन कटारे एवं आभार प्रदर्शन समय लाल साकेत ने किया।

मप्र में महंगी बिजली का करंट, ई-रिक्शा से लेकर उद्योगों का बढ़ेगा बिल

जबलपुर ■ एजेंसी

देश में बिजली की कीमतों में औसतन 3.46 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई है, जो 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इस वृद्धि से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा। मध्यम वर्ग से लेकर ई-रिक्शा चालकों तक, सभी उपभोक्ता इस फैसले से प्रभावित होंगे। बिजली कंपनियों ने विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें बढ़ाई हैं, जिसमें ई-रिक्शा चार्जिंग और उच्च दाब उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बोझ डाला गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि गरीब से लेकर उच्च वर्ग तक सभी को प्रभावित करेगी।

ई-रिक्शा चार्जिंग की दर में 24 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो मौजूदा 6.90 रुपये से बढ़कर 7.14 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। यह उन चालकों के लिए बड़ा झटका है जो चार्जिंग पर निर्भर होकर अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अलावा, निजी इलेक्ट्रिक वाहनों को घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने की सुविधा रहेगी, लेकिन वाणिज्यिक उपयोग के लिए अलग कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।

उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए 33 केवी लाइन की दर 5.65 रुपये से बढ़कर 5.91 रुपये हो गई है, यानी 26 पैसे की वृद्धि। वहीं, वाणिज्यिक कनेक्शनों में 20 पैसे की बढ़ोतरी के साथ दर 6.30 रुपये से 6.50 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। कृषि पंप (300-750 यूनिट) के लिए भी 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो अब 5.92 रुपये से 6.10 रुपये हो गई है। औद्योगिक उपभोक्ताओं को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट को संशोधित किया गया है। नए टैरिफ में आठ माह के लिए 7.5 प्रतिशत और जून से सितंबर तक 10 प्रतिशत छूट लागू होगी। बिजली मामलों के जानकार राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह बढ़ोतरी वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी वर्गों के लिए चुनौतीपूर्ण होगी।

'खेतों में लगे हैं टमाटर, जिसको जितना चाहिए फ्री में ले जाओ'...

एमपी में किसानों ने क्यों करवाया यह एलान

जबलपुर ■ एजेंसी

जबलपुर के ग्रामीण इलाकों में टमाटर और शिमला मिर्च उगाने वाले किसान इन दिनों भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इस साल टमाटर की बंपर पैदावार हुई है, लेकिन बाजार में इसके दाम इतने गिर गए हैं कि किसानों को लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

आलम यह है कि कई किसान तो अपने खेतों से टमाटर मुफ्त में बांट रहे हैं, क्योंकि उन्हें तोड़ने और मंडी तक ले जाने का खर्च भी नहीं मिल पा रहा है। इस साल जबलपुर के ग्रामीण क्षेत्र में टमाटर के दाम किसानों की कमर तोड़ रहे हैं।

खेतों में टमाटर इतनी अधिक मात्रा में लगे हैं कि किसानों को यह देखकर निराशा हो रही है। गांव हो या शहर, बाज़ार हो या मंडी, हर जगह टमाटर की भरमार है और खरीदार कम हैं। खेतों में पके हुए टमाटर लदे हुए हैं, लेकिन उन्हें तोड़ने वाला कोई नहीं है। किसानों का कहना है कि मुनाफा तो दूर की बात है, टमाटर की तुड़ाई की लागत भी नहीं निकल पा रही है। ऐसे में वे क्यों मेहनत करें। नतीजा यह है कि टमाटर खेत में ही पककर सूख रहे हैं या सड़ रहे हैं। इसीलिए, किसानों ने आसपास के गांवों में यह जानकारी दी है कि जिसे भी टमाटर चाहिए, वह खेत से मुफ्त में तोड़कर ले जा सकता है।

कुछ किसानों की हालत तो और भी खराब है। वे कहते हैं कि जितना टमाटर बिक जाए, उतना बेच दो, नहीं तो मुफ्त में ही ले जाओ। जमुनिया गांव के किसान रोबिन राय लगभग 25 से 26 एकड़ में सब्जी की खेती करते हैं। उन्होंने भी कुछ हिस्से में टमाटर की फसल लगाई थी जिसमें 60 से 70 हजार रुपये खर्च किए। लेकिन जब टमाटर के दाम नहीं मिले, तो उन्होंने टमाटर की तुड़ाई भी बंद कर दी है। उनका कहना है कि जब टमाटर 1 या 2 रुपये किलो बिक रहा है तो आप जान सकते होंगे कि वे क्या कमाएंगे। इसके पीछे पड़े रहने से और ज्यादा नुकसान होगा, इसलिए उन्होंने टमाटर मुफ्त में देने का फैसला किया। बाजार में टमाटर की स्थिति जानने के लिए जब सब्जी व्यापारियों से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि स्थानीय टमाटर की आवक इतनी ज्यादा है कि बाहर से टमाटर मंगाने की कोई जरूरत ही नहीं है। यहां पर टमाटर 1 रुपये, 2 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिक रहा है। कई जगह तो 10 रुपये में 5 किलो तक टमाटर बेचा जा रहा है।

मेडिकल छात्रा की मौत की गुत्थी उलझी

परिजन बोले- बेटी की हत्या की गई, भाई ने किया बड़ा खुलासा

ग्वालियर ■ एजेंसी

ग्वालियर के जीआरएमसी मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में न्यूरोलॉजी की पढ़ाई कर रही डॉक्टर रेखा रघुवंशी की मौत को दो दिन से ज्यादा का समय हो गया है। लेकिन, अभी भी मौत का कारण सामने नहीं आ सका है। मेडिकल कॉलेज के जमुना हॉस्टल में 31 साल की डॉक्टर रेखा रघुवंशी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या मान रही है, लेकिन परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस पूरे मामले की जांच पुलिस और मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने शुरू कर दी है।

कंपू थाना प्रभारी रुद्र पाठक ने बताया कि ग्वालियर के गजराराजा मेडिकल कॉलेज के जमुना हॉस्टल में शनिवार रात मेडिकल छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका जयारोग्य अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग में पढ़ाई कर रही थी। इससे पहले वह मेडिकल की मास्टर डिग्री (एमडी) कर चुकी थी। हॉस्टल की छात्राओं ने बताया कि रात में डॉक्टर रेखा ने खाना खाया, फिर पढ़ाई करने के बाद सोने चली गई। देर रात लगभग 12:00 बजे जब क्लासमेट उसके रूम में पहुंची तो वह रेलिंग से बंधे फंदे पर लटकी हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जिसकी जांच रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

मृतका डॉक्टर रेखा रघुवंशी की मौत को उसके परिजन हत्या बता रहे हैं। परिजनों ने बताया कि वह 2020 से 2023 तक भोपाल के बंसल हॉस्पिटल में कार्यरत थी। करीब 15 महीने ही वह ग्वालियर आई थी। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने न तो घटना स्थल का वीडियो बनाया और न ही उन्हें घटनास्थल पर लेकर गई। सीधे उन्हें पोस्टमार्टम हाउस ले जाया गया, जहां मृतका का पोस्टमार्टम किया गया। मृतका के पिता भानु रघुवंशी ने कहा कि उनकी बेटी की हत्या की गई है, वह कभी भी ऐसा नहीं कर सकती। मृतका के भाई विकास रघुवंशी ने बताया कि घटना से पहले रेखा का दो बार कॉल आया था। उसने भोपाल में हुई अपनी डॉक्टर दोस्त की हत्या की जानकारी दी थी। उससे रेखा की अच्छी दोस्ती थी। इसके अलावा, ग्वालियर में भी उसकी एक दोस्त के साथ दुष्कर्म हुआ था। हॉस्टल के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस बात को दबा दिया था। परिजनों ने पुलिस प्रशासन और हॉस्टल के अधिकारियों पर घटना को छिपाने और साक्ष्य मिटाने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अगर, उनकी बेटी ने फांसी लगाई थी तो पुलिस ने घटनास्थल का वीडियो क्यों नहीं बनाया? उनके पहुंचने से पहले ही उनकी बेटी को बिना किसी गवाह के वहां से क्यों उतार लिया गया? यदि यह आत्महत्या थी तो शरीर पर कहीं न कहीं चोट के निशान भी होने चाहिए थे। लेकिन, शरीर पर न तो कोई चोट के निशान थे और न ही ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसने आत्महत्या की है। बताया जा रहा है कि दो साल पहले मृतका की सगाई पक्की हो चुकी थी, फरवरी 2026 में उसकी शादी होने वाली थी। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

2 सूने घरों के ताले टूटे, जेवर नगदी चोरी

जबलपुर ■ एजेंसी

अधारताल और बेलबाग थाना क्षेत्र में चोरी की दो वारदातें सामने आई है। अधारताल श्रीधाम कालोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवर और नगदी रुपए अज्ञात चोर-चोरी कर ले गऐ वहीं बेलबाग छुई मोहल्ला पानी की टंकी के पास सूने घर का दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोर गृहस्थी का सामान चोरी कर ले गए। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीधाम कालोनी महाराजपुर निवासी 33 वर्षीय विवेक पांडे एआईएम एकेडमी जबलपुर में पढ़ाता है। गत 28 मार्च को शाम लगभग 4 बजे परिवार के साथ अपने पैतृक गांव अटरा जिला रीवा गया था। गत देर रात लगभग 1.30 बजे परिवार सहित जबलपुर घर वापस आया एवं गेट का ताला खोलकर अंदर गया तो देखा मकान के दरवाजे का ताला और अंदर के दोनों कमरों के ताले टूटे थे। आलमारी का लॉक टूटा था जिसमें रखे सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रुपए चोरी कर ले गया। इसी प्रकार बेलबाग छुई मोहल्ला पानी की टंकी के पास निवासी 55 वर्षीय सरला कश्यप शादी पार्टियों में खाना बनाने का काम करती है गत 12 मार्च को शाम लगभग 5 बजे सरला अपनी छोटी बेटी राखी केवट के साथ रद्दी चौकी निवासी अपनी बड़ी बेटी रीना केवट के घर कुछ दिनों के लिए रहने के लिए गई थी। 19 मार्च को सरला को फोन पर चोरी की सूचना मिली तो वह सूचना पाकर अपने घर सुबह लगभग 10 बजे पहुंची तो उसके होश उड़ गए। उसके कच्चे घर का दरवाजा टूटा था और घर पर रखा गृहस्थी का सामान एक एलजी कम्पनी की एलसीडी, दो साउण्ड बाक्स एवं प्लेयर, गैस चूल्हा, गैस सिलेण्डर भारत कम्पनी का, सिलाई मशीन, एक मिक्सी, घरेलू बर्तन अज्ञात चोर चोरी कर ले गय। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

ग्लोबल हेराल्ड

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दशार्ता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय

जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

भगवान बनने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

सनत जैन

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही महीनो के कार्यकाल में ही सबसे ज्यादा चर्चित और विवादित राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले उन्होंने, जिस तरह से दुनिया के सभी देशों को टैरिफ को लेकर धमकाना शुरू कर दिया था। यूरोपीयन एवं नाटो देशों को टैरिफ एवं सुरक्षा समझौतों को लेकर जिस तरह के अनाप-शनाप बयान और धमकी दी है। उससे अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में एक नई अफरा तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के साथ-साथ टैरिफ युद्ध को लेकर नया तनाव देखने को मिल रहा है। ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क उनसे एक कदम आगे चल रहे हैं। अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रवासी नीति को लेकर अमेरिका के राज्यों के साथ ट्रम्प के मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने लेंगिक पहचान और महिला अधिकारों पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा औरत वह होती है, जो बच्चा पैदा कर सकती है। ट्रांसजेंडर को लेकर पहले भी उनके आपत्तिजनक बयान आए थे। अब उन्होंने सीधे-सीधे उन महिलाओं को महिला मानने से इनकार कर दिया है। जो मां बनने में सक्षम नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही के निर्णयों में महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। न्यू जर्सी के एक कार्यक्रम में महिला पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जो महिला बच्चा पैदा नहीं कर सकती है। जो महिला पुरुषों से ज्यादा स्मार्ट है। जो पुरुषों की सफलता में बाधा बनती है। इस तरह के विवादित बयान देकर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आप को ईश्वर के समकक्ष अपने आपको खड़ा करने का प्रयास करे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कह दिया है, वह 2029 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए संविधान बदलना होगा, तो वह बदल देंगे। ट्रंप, सारी दुनिया के देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसकी विभिन्न प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अमेरिका के अंदर भी उनकी लोकप्रिय में दो माह के अंदर सात फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इतने कम समय में लोकप्रियता में इतनी बड़ी गिरावट किसी भी राष्ट्रपति के बारे में इसके पूर्व देखने को नहीं मिली। इसके बाद भी ट्रंप और एलन मस्क के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है। एलन मस्क के निर्णयों के खिलाफ सारे अमेरिका में 227 से ज्यादा स्थानो पर प्रदर्शन हो रहे हैं। एलन मस्क की गाड़ियो को जलाया जा रहा है। उनकी कंपनियों के शेयर अमेरिकी नागरिकों द्वारा बेचे जा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न राज्यों की न्यायपालिका ने ट्रम्प के कई प्रशासनिक आदेशों के पालन पर रोक लगा दी है। ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसको देखते हुए अमेरिका और बाहर के देशों में उनकी छवि एक मूर्ख, लालची या अहंकारी नेता के रूप में बन रही है। अमेरिका जैसे देश में इसके पहले कोई भी राष्ट्रपति इस तरह से विवादित नहीं रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति का अहंकार सभी को हैरान करने वाला है।

महान जीवविज्ञानी- एन कीसलिंग

(जन्म तिथि ,2 मार्च 2925 पर विशेष)

संजय गोस्वामी

एन डू एंडरसन, जिन्हें बाद में एन कीस्लिंग के नाम से जाना गया, का जन्म मार्च 29, 1942 में हुआ और उनका पालन-पोषण ओरेगन में हुआ। एन कीसलिंग एक अमेरिकी प्रजनन वैज्ञानिक और बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में मानव पाथेनोजेनिक स्टेम सेल अनुसंधान में शोधकर्ता हैं। वह 1985 से 2012 तक हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शिक्षण अस्पतालों (ब्रिघम एंड वीमेन हॉस्पिटल, फॉल्कनर हॉस्पिटल, न्यू इंग्लैंड डेकोनेस और बेथ इजराइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर) में एसोसिएट प्रोफेसर थे डिस्कवरी वेस्ट की डिस्कवरी की महिलाएं श्रृंखला में हमारा दूसरा प्रोफाइल मूल रूप से ओरेगोनियन डॉ. एन कीस्लिंग द्वारा लिखा गया है। डॉ. कीसलिंग एक प्रजनन जीवविज्ञानी हैं, जिन्होंने अन्य बातों के अलावा बैक्टीरिया पर शोध में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वास्तव में, वह पहले एड्स शोधकताओं में से एक थीं और आज भी देश के अग्रणी प्रजनन जीवविज्ञानियों में से एक हैं। उन्हें सामान्य मानव कोशिकाओं में रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस की खोज के लिए जाना जाता है। जैसे-जैसे हमारा पड़ोस आकार लेना शुरू करेगा, डॉ. कीसलिंग का नाम सड़क के किसी ऐसी महिला के नाम पर रखा गया है, जिसने प्रभाव डाला है जिन्हें ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी बीवर से बायोकेमिस्ट्री और बायोफिज़िक्स में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हैं। विषाणु विज्ञान और प्रजनन जीव विज्ञान के क्षेत्र में उनके शोध और कार्य के परिणामस्वरूप ओरेगन में पहला इन विट्रो फर्टिलाइजेशन क्लिनिक स्थापित हुआ। इसके बाद उन्हें हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने स्टेम सेल और बायोमेडिकल अनुसंधान पर काम किया। वह विज्ञान से प्रेम करते हुए बड़े हुए; उन्होंने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय और वर्जीनिया विश्वविद्यालय से नर्सिंग की डिग्री हासिल की। अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा को मजबूत करना जारी रखते हुए, उन्होंने सेंट्रल वाशिंगटन विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान और कार्बनिक रसायन विज्ञान में डिग्री और पीएच.डी. हासिल की। वह विश्व को अभूतपूर्व और विवादास्पद दोनों प्रकार के अनुसंधान से पुरस्कृत करने के लिए अनुसंधान में अपनी गहरी रुचि प्रदर्शित करते हैं। उनकी पहली और सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक सामान्य मानव कोशिकाओं में रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस की खोज (1979) थी, जो उनके पोस्ट-डॉक्टरल प्रशिक्षण का एक हिस्सा था। उनके निष्कर्षों ने वायरस और कैंसर के बीच संबंध को उजागर किया, पारंपरिक मान्यताओं को चुनौती दी और मानव जीनोम पर रेट्रोवायरस अनुक्रमों के प्रभाव और मानव विकास और शरीरक्रिया विज्ञान पर उनके परिणामों की आगे की जांच के लिए द्वार खोले। वर्तमान में, कीसलिंग को प्रजनन जी विज्ञान और स्टेम सेल अनुसंधान दोनों में अग्रणी के रूप में जाना जाता है। उनके शोध से हमें इस क्षेत्र के प्रमुख क्षेत्रों में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई है। अनुसंधान को आगे बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित; राजनीति कारणों से प्रमुख संगठनों द्वारा नजरअंदाज किए जाने के बाद, उन्होंने 1996 में बेडफोर्ड स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की। इस स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संस्था का मुख्य लक्ष्य एचआईवी और रीढ़ की हड्डी की चोटों जैसी पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करना था। कीसलिंग के पूरे करियर के दौरान, वे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कि ओरेगन हेल्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से जुड़े रहे हैं। उनके उत्कृष्ट अनुसंधान और नवीन तरीकों ने उन्हें विज्ञान के प्रति अग्रणी अनुसंधान और रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए अनेक सम्मान और पुरस्कार दिलाए हैं, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया स्कूल ऑफ नर्सिंग से पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार भी शामिल है। उनके कार्य का प्रभाव आज भी जारी है, जो विश्व भर के वैज्ञानिकों और शोधकताओं को प्रेरित और शिक्षित कर रहा है। विषाणु विज्ञान, प्रजनन विज्ञान और स्टेम सेल अनुसंधान पर उनका प्रभाव स्थायी रहेगा, जो आने वाले कई वर्षों तक मानव स्वास्थ्य और रोग के बारे में हमारी समझ को आकार देगा। इस क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के अलावा, उन्हें कई क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। डॉ. कीसलिंग ने 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए हैं और दुनिया भर में 60 से अधिक व्याख्यान दिए हैं। वह सहायक प्रजनन के विशेष कार्यक्रम (एसपीएआर) के संस्थापक भी हैं, जो एचआईवी से प्रभावित लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ बच्चे पैदा करने में मदद करता है। एस.पी.ए.आर. बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन का हिस्सा है, जिसकी स्थापना भी उन्होंने की थी और जहां वे शोध कार्य करते हैं। आज के संदर्भ में उनका कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके जैसे कई प्रतिभाशाली लोग नोवेल कोरोनावायरस प्रकोप से निपटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वास्तव में, रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस परीक्षण प्रक्रियाओं में प्रयुक्त उपकरणों में से एक है। इसके अलावा, उन्होंने बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में एक प्रयोगशाला को नॉवेल कोरोना वायरस के परीक्षण के लिए परिवर्तित करने का नेतृत्व किया। हमने इस महत्वपूर्ण कार्य में सहायता के लिए फाउंडेशन को दान दिया है, और हम डॉ. कीसलिंग को धन्यवा देते हैं कि उन्होंने उदारतापूर्वक हमें साइट पर अपना नाम उपयोग करने की अनुमति दी। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं और हमारे पास अधिक उन्नत और बेहतर प्रौद्योगिकी है, यह महत्वपूर्ण है कि हम पीछे मुड़कर देखें और उन चुनौतियों की सराहना करें जिनसे इन लोगों को अतीत में गुजरना पड़ा था। कीसलिंग ने रअफ्र2 को शामिल करने के लिए बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में अपनी प्रयोगशाला गतिविधियों का विस्तार किया। 17 अप्रैल, 2020 को, कीसलिंग ने एक बेटी, जो एक स्थानीय अस्पताल में फ्रंटलाइन कार्यकर्ता है का कोरोनावायरस के लिए परीक्षण सकारात्मक आया था। उपलब्ध परीक्षणों की निरंतर कमी से कीसलिंग ने उन्हें सामुदायिक परीक्षण उपलब्ध कराने के लिए रअफ्र2 फाउंडेशन के परीक्षण प्रयासों का विस्तार किया।सिंड्रोम कोरोनावायरस 2 (रअफ्र-उड्ढ्र-2) कोरोनावायरस का एक प्रकार है जो उडश्क्रू-19 का कारण बनता है फाउंडेशन की वेबसाइट पर एक ब्लॉग पोस्ट में, डॉ. कीसलिंग ने कहा हमारे पास मदद करने के लिए संसाधन थे, और हमें लगा कि इसमें कदम उठाना हमारी ज़िम्मेदारी है। हमें उन लोगों की संख्या के लिए तैयार रहना होगा जिनमें लक्षण दिख रहे हैं या जो वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वालों के संपर्क में आए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में, हमें यह जानने की जरूरत है कि यह वायरस कहाँ फैल रहा है, और हम अपना काम करने में खुश हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन लोगों और विद्वानों ने आधुनिक वैज्ञानिक विचार और अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने जो काम किया है वह पूरी दुनिया में जाना जाता है। उनके विचारों, आविष्कारों और खोजों ने आज लोगों के जीवन को आसान और अधिक सुविधाजनक बना दिया है।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

व्यापार

सीएनजी के बढ़ सकते हैं भाव, सरकार ने बढ़ाई नेचुरल गैस की कीमतें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रशासित मूल्य प्रणाली (एपीएम) के दायरे में आने वाले पुराने क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में 4 प्रतिशत बढ़ा दी है। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस सीएनजी, बिजली और उर्वरक के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्चा माल है, जिससे एपीएम गैस के दाम बढ़ने से सीएनजी भी महंगी हो सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की एक अधिसूचना में कहा गया है कि एपीएम गैस की कीमत एक अप्रैल से 6.50 डॉलर प्रति यूनिट (एमएमबीटीयू) से बढ़ाकर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट कर दी गई है। एपीएम गैस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) द्वारा उन क्षेत्रों से उत्पादित की जाती है, जो उन्हें नामांकन के आधार पर दिये गये थे। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस का उपयोग कच्चे माल के रूप में पाइप के जरिये रसोई गैस (पीएनजी) के साथ-साथ वाहन चलाने के लिए सीएनजी और उर्वरक तथा बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। यह दो साल में एपीएम गैस की कीमत में पहली वृद्धि है। अप्रैल, 2023 से पहले, प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत एक फामूर्ले के आधार पर छमाही आधार पर निर्धारित की जाती थी। यह निर्धारण चार गैस व्यापार केंद्रों पर औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर फॉमूले के तहत होता था। एपीएम गैस की हिस्सेदारी कुल घरेलू गैस उत्पादन में 70 प्रतिशत है. एपीएम गैस शहर के गैस वितरकों को सीएनजी और घरों में पाइप के जरिये रसोई गैस की आपूर्ति के लिए प्रदान की जाती है। यह उनकी बिक्री मात्रा का 60 प्रतिशत हिस्सा है. अप्रैल, 2023 के निर्णय के बाद, एपीएम गैस की कीमतों को मासिक आधार पर संशोधित किया जाता है, लेकिन वे अधिकतम और न्यूनतम कीमतों के अधीन हैं। अधिकतम कीमत अब 6.75 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट है।

इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया।

इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया, जिससे उसके नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा है। इससे वह धन जुटाने के लिए उसकी सीडी को सबस्क्राइब करने वाले इन्वेस्टर्स भी परेशान हो रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में इस असमंजस का मामला गहराता जा रहा है, क्योंकि इंडसइंड बैंक के इस चिंताजनक परिस्थिति ने सरकारी बैंकों को चुनौती दी है। अब देखना होगा कि कैसे इन संघर्षों का हल निकलता है और बैंकिंग सेक्टर का कैसा होता है प्रभाव।

भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, अब रिसिप्रोकल टैरिफ की बारीः अमेरिका

डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से लागू कर सकता है एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, और कनाडा अमेरिकी मक्खन और चीज पर लगभग 300 फीसदी शुल्क वसूलता है। इससे अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात करना लगभग असंभव हो जाता है और बीते कई दशकों में इससे कई अमेरिकी व्यवसाय बंद हुए हैं और लोगों की नौकरियां चली गई हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के लागू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है। उन्होंने कहा कि अन्य

देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क अमेरिकी उत्पादों को उन देशों में निर्यात करना लगभग असंभव बना देते हैं। ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले ऊंचे टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। कैरोलिन लेविट ने कहा कि दुर्भाग्य से इन देशों ने बहुत लंबे समय से हमारे देश का शोषण किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी कामगारों के प्रति अपनी उपेक्षा को बहुत साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आप अनुचित व्यापार प्रथाओं को देखें यूरोपियन यूनियन अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है, जापान अमेरिकी चावल पर 700 फीसदी तक का शुल्क लेता है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से एक नई ह्यरिसिप्रोकल टैरिफह्न पॉलिसी लागू करने की योजना बनाई है, जिसे वह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे।

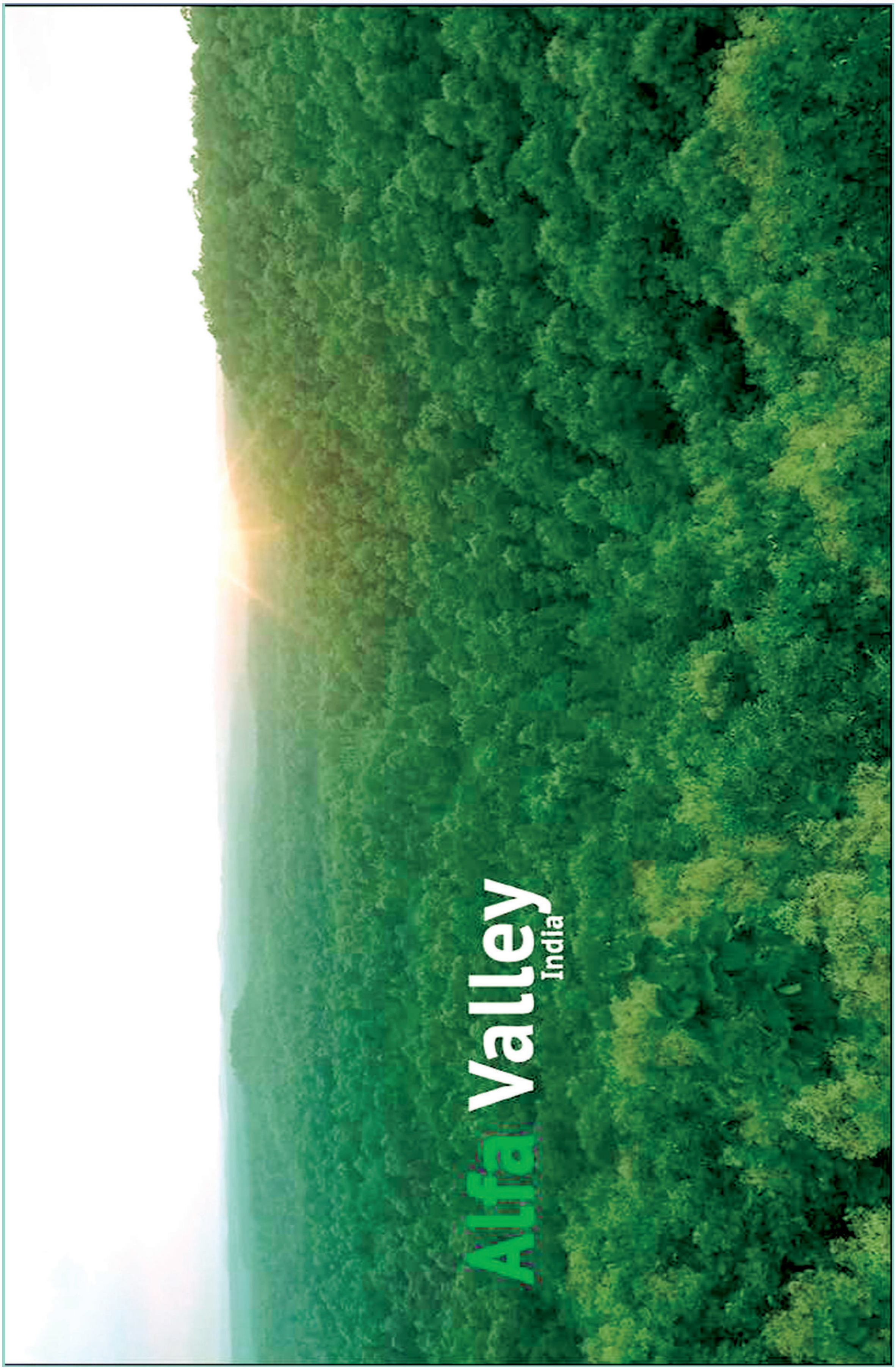
Alfa Valley
India

मनोरंजन

सारा ने आलोचनाओं पर ट्रोलर्स को खुलकर दिया जवाब

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान को अक्सर अपने धार्मिक झुकाव के कारण ट्रोलिंग और आलोचना का सामना भी करना पड़ता है। हाल ही में सारा ने इन आलोचनाओं पर खुलकर जवाब दिया। सारा अली खान ने बताया कि उनकी मां अमृता सिंह ने उन्हें बचपन में ही सिखाया था कि धर्म और जाति की सीमाओं से खुद को परिभाषित न करें। उन्होंने साझा किया कि जब वह छोटी थीं, तो उनके मन में यह सवाल उठता था कि वह कौन हैं, क्योंकि उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम अलग-अलग धार्मिक पहचान दशार्ते थे। उन्होंने अपनी मां से पूछा था कि उनकी असली पहचान क्या है, तब अमृता सिंह ने उन्हें बताया था, तुम भारतीय हो और सारा इसे कभी नहीं भूलीं। उन्होंने भारत की धर्मनिरपेक्ष पहचान पर जोर देते हुए कहा कि हमारे देश में धर्म और जाति की सीमाएं कृत्रिम रूप से बनाई गई हैं, जिनका वह पालन नहीं करतीं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी ट्रोलिंग उन्हें प्रभावित करती है, लेकिन अब उन्होंने इसे नजरअंदाज करना सीख लिया है। सारा ने कहा, दूसरे लोगों के सोचने के तरीके को बदलना मूर्खता है, इसलिए मुझे इसे नजरअंदाज करना होगा।

पैपराजी से अलविदा कहने से पहले नाराज हुई पलक

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी की बातों को सुनकर नाराज होती नजर आ रही हैं। हाल ही में पलक तिवारी मुंबई हवाईअड्डे पर स्पॉट हुईं। पैपराजी ने उन्हें रोका, तो उन्होंने पोज दिए। पैपराजी को अलविदा कहने से पहले वह नाराज होती दिखीं। घटना का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें पलक को शहर से बाहर जाने से पहले मुंबई हवाई अड्डे के बाहर तस्वीरें खिंचवाते देखा जा सकता है। तभी एक पैपराजी ने उनसे पूछा, 'पलक बोले या अनन्या बोले?' हालांकि, एक्ट्रेस ने पहले इस कमेंट को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन जब यह दोबारा सुना गया, तो उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस बदल गए। पैपराजी की इस बात को सुनने के बाद उन्होंने जवाब देने का फैसला किया और कहा, 'हमेशा ऐसे क्यों बोलते हो आप लोग?' हालांकि, पलक के खराब मूड को भांपते हुए एक कैमरापर्सन ने उनकी अपकमिंग फिल्म 'भूतनी' के बारे में बात की, जिसका ट्रेलर जल्द ही आने वाला है।

दया बेन की वापसी नहीं होगी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा'

मुंबई। पिछले कई सालों से दर्शक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो में दयाबेन की वापसी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि दिशा वकानी अब इस किरदार में नहीं दिखेंगी। शो के निमार्ता असित मोदी ने पहले ही इस बात के संकेत दिए थे कि दिशा वकानी अब वापसी नहीं करेंगी, और अब खबर है कि मेकर्स को उनकी जगह नई दयाबेन मिल गई है। हालांकि, अभी तक इस नई एक्ट्रेस की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों की मानें तो उनके साथ मॉक शूट्स भी किए जा रहे हैं। दिशा वकानी 2018 में मैटरनिटी लीव पर गई थीं और तब से वह शो में नजर नहीं आईं। इस दौरान कई बार अफवाहें उड़ीं कि वह शो में वापस आ सकती हैं, लेकिन हर बार यह खबर सिर्फ चर्चा तक ही सीमित रह गई। आखिरकार, असित मोदी ने खुद इस साल जनवरी में दिए एक इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि दिशा अब इस शो में वापस नहीं आ पाएंगी। उन्होंने बताया कि दिशा फिलहाल अपने परिवार और बच्चों में व्यस्त हैं, और उनके लिए शूटिंग करना संभव नहीं है। असित मोदी ने यह भी कहा कि दिशा वकानी और उनका परिवार उनके बेहद करीब है। उन्होंने बताया कि दिशा उन्हें राखी भी बांधती हैं और उनके परिवार से उनका बहुत गहरा रिश्ता है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के केन्द्रीय अनुबंध में कमिंस सहित 23 खिलाड़ी शामिल

कोन्स्टास, कुहनेमैन और वेबस्टर शामिल

सिडनी ■ एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कप्तान पैट कमिंस सहित 23 खिलाड़ियों को साल 2025-26 के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। कमिंस के अलावा जिन खिलाड़ियों को अनुबंध दिया गया है। उसमें मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास के अलावा स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को भी पहली बार अनुबंध सूची में जगह मिली है। वहीं इस अनुबंध में ऑलराउंडर आरोन हार्डी, तेज गेंदबाज सीन एबॉट और स्पिनर टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा कूपर कोनोली और जेक-फ्रेजर मैकगर्क को भी अनुबंध में जगह नहीं मिली है। टीम के मुख्य चयनकर्ता

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ह्य कुहनेमैन ने एक बार फिर श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और हमारा मानना है कि वह अगले 18 महीनों में ब्यू वेबस्टर के साथ ही अहम भूमिका निभाएंगे।

अनुबंध सूची इस प्रकार है : - जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोन्स्टास, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और एडम जम्पा।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर ■ एजेंसी

एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, ह्यमैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, ह्यमुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

ओलंपियन वंदना ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय महिला टीम की अनुभवी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है हालांकि वह लीग मुकाबलों में खेलती रहेंगी। इसी के साथ ही वंदना के 15 वर्ष के सुनहरे कैरियर पर विराम लग गया। वंदना ने भारतीय टीम के लिए सबसे अधिक 320 मैच खेले हैं। 32 साल की इस फॉरवर्ड ने कहा , 'मैं कृतज्ञ मन से अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविद कह रही हूं। यह फैसला मिले-जुले विचारों वाला है। इसमें खुशी ओर दुख दोनो हैं। मैं इसलिए नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर खेल की इच्छा कम हो गयी गई है या मेरे भीतर हॉकी नहीं बची है बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने करियर के शीर्ष प रहते हुए संन्यास लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।

उन्होंने कहा, 'यह विदाई थकान की वजह से नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का एक अच्छा अवसर है, मेरा सिर ऊंचा रहेगा क्योंकि मैं अभी भी बेहतर प्रदर्शन कर रही हूंहै। भीड़ के शोर के साथ ही हर गोल पर मिलने वाली खुशी और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरे मन में रहेगा। गौरतलब है कि साल 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली कटारिया टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम में शामिल थी। तब वंदना हैट्रिक लगाने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। वंदना ने कहा, अपनी साथी खिलाड़ियों, अपनी बहनों से मैं यही कहूंगी कि आपके लगाव और विश्वास ने मुझे बल दिया। मेरे कोचों और मेंटर्स ने अपने प्रयासों से मेरे कैरियर को निखारा। कटारिया ने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिए आखिरी मैच खेला। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मेरे दिवंगत पिता मेरी चट्टान, मेरे मार्गदर्शक थे। उनके बिना मेरा सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार से मेरे खेल की नींव पड़ी। उन्होंने मुझे सपने देखने, लड़ने और जीतने के लिए मंच दिया।

फुटबॉल मैच में रेफरी ने कोच को लगायी किक

अंकैश ■ एजेंसी

यहां कोपा पेरू लीग फुटबॉल में स्पोर्ट हुआक्विला के खिलाफ हुए मैच में उस समय हड़कंप मच गया जब रेफरी लुइस एलेग्रे ने हमला करने आये सीईडीईसी के कोच मैग्डेलेना को किक मार दी। मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे पर उल्टे उन्हें ही किक लग गयी। मैच के अंतिम समय में हुई इस घटना से सभी हैरान रह गये। इस मैच में रैफरी एलेग्रे ने अपने लाइनमैन के संकेत पर मैग्डेलेना सीईडीईसी टीम के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस पर विवाद इतना बढ़ा कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी पर हमला करने आगे बढ़ा एलेग्रे ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिरकर बेहोश हो गये। इसे घटना से नाराज खिलाड़ियों ने एलेग्रे और उसके लाइनमैन को घेर लिया। जिसके बाद हालत संभालने के लिए पुलिस को मैदान में उतरना पड़ा। इसके बाद ये मैच स्थगित कर दिया गया। इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें मैदान में सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं।

रोहित की बात ध्यान से सुनती दिखीं नीता अंबानी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुम्बई इंडियंस को मिली पहली जीत के बाद टीम की मालकिन नीता अंबानी खुश नजर आयीं। इसी दौरान टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा उनसे कुछ कहते हुए नजर आये। वहीं नीता अंबानी उनकी बात ध्यान से सुनती नजर आयीं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित इस लीग में अब अब तक असफल रहे हैं। अब तक हुए तीनों ही मैचों में वह एक बार भी अधिक रन नहीं बना पाये हैं। इसके बाद भी जब रोहित बोल रहे थे तो टीम मालकिन उनकी बातों को शांति से सुनती दिखीं। यही मुंबई इंडियंस के प्रबंधन की खासियत है।

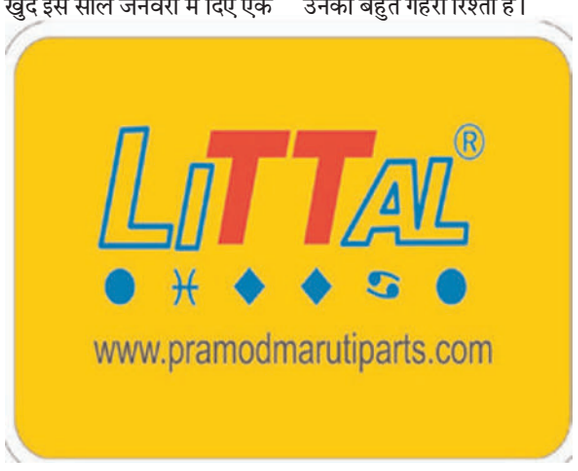

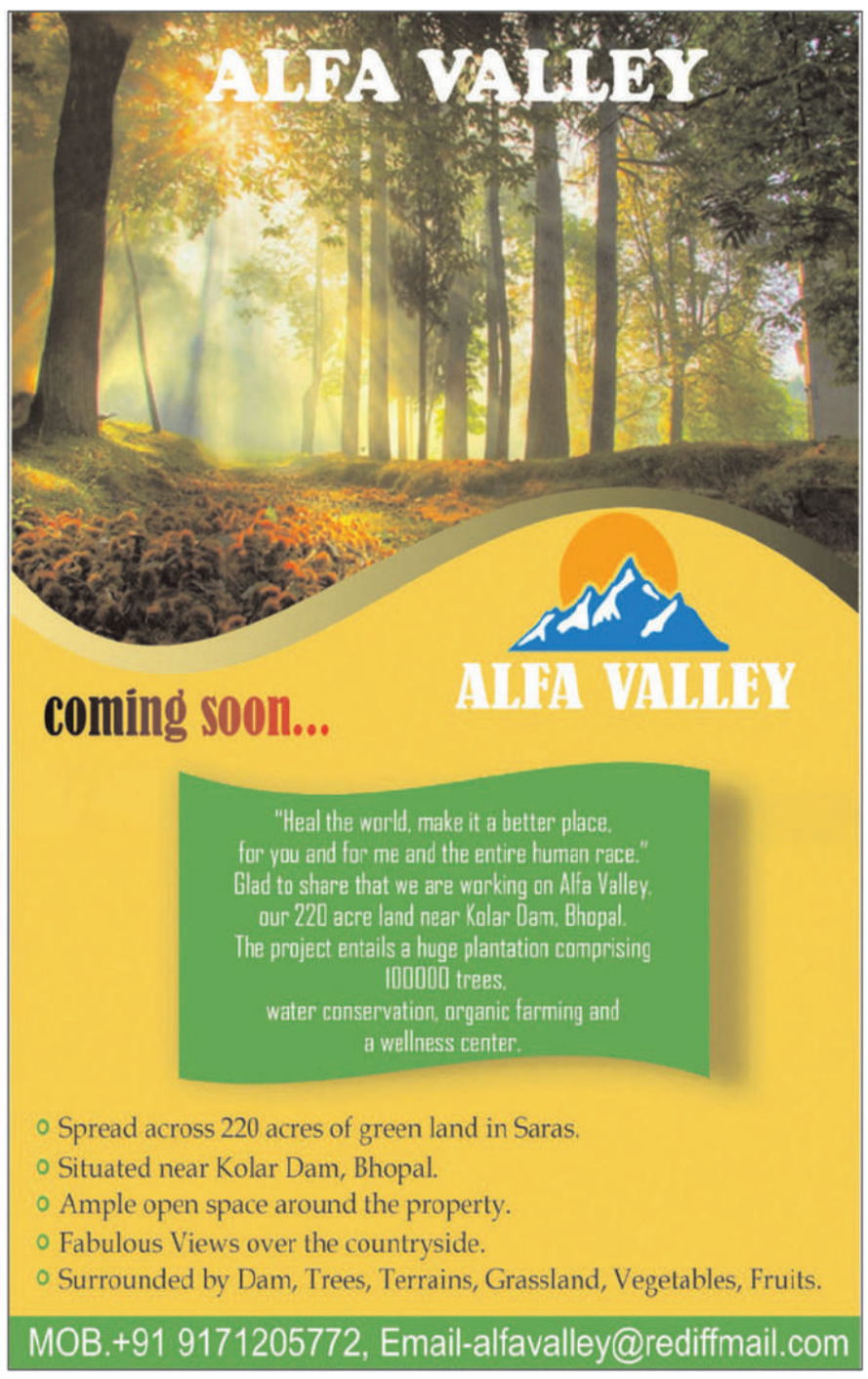

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**